विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन

मास्टर ऑफ़ आर्ट्स

कला संकाय

पाठ्यक्रम तथा अनुशंसित पुस्तकें

कार्यक्रम अधिगम परिणाम (LOCF)

एम.ए. हिन्दी

प्रथम सिमेस्टर

(सी.बी.सी.एस. पद्धति)

सत्र 2018–2019

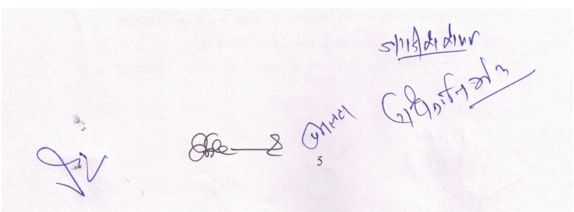

एम. ए. (हिन्दी) प्रथम सिमेस्टर
(सी.बी.सी.एस. पद्धति)
निर्धारित पाठ्यक्रम
सत्र 2018–2019

CCT – 1 -	प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य और उसका इतिहास
CCT – 2 -	आधुनिक हिन्दी गद्य और उसका इतिहास
CCT – 3 -	भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र।
ECT – 1 -	(1) प्रयोजनमूलक हिन्दी।
ECT – 1 -	(2) हिन्दी साहित्य का इतिहास ।
ECT – 1 -	(3) विशिष्ट रचनाकार : प्रेमचन्द।
ECT – 1 -	(4) भारतीय साहित्य।
ECT – 1 -	(5) राजभाषा–प्रशिक्षण।
ECT – 1 -	(6) भाषाशिक्षण।
EDC - 1 -	Entretpreneurship Development
P - 1 -	Seminar

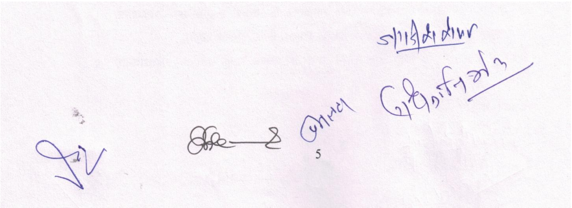

CVV – 1 - Comprehensive viva-Voce (Virtual)

CCT - 1

प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य और उसका इतिहास

पूर्णांक – 60 अंक

कार्यक्रम अधिगम परिणाम (LOCF)-
पाठ्यक्रम के इस भाग का अधिगम निम्नवत् होगा–

- विद्यार्थी आदिकाल से लेकर मध्यकाल के पूर्वार्ध तक के सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक संदर्भों का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
- हिंदी साहित्य के प्रारंभिक और विकासात्मक स्वरूप से परिचित हो सकेंगे।
- हिंदी साहित्य के साहित्यकारों और उनकी रचनाओं के बारे में जान सकेंगे।
- हिंदी के भावगत, भाषागत और शैलीगत विकास से परिचित हो सकेंगे।

इकाई – 1 व्याख्यांश –

1 **विद्यापति** विद्यापति – (सम्पादक) डॉ. त्रिभुवननाथ शुक्ल
पद क्रमांक–1,4,5,7,8,11,12,14,15,16,20,22,23,26,27,28,31,35,36 और 39 (20 पद)

2 **कबीर** कबीर ग्रंथावली – (सम्पादक) डॉ. माता प्रसाद गुप्त
गुरुदेव कौ अंग (साखी क्रमांक 1 से 10), सुमिरण कौ अंग (साखी क्रमांक 1 से 10) विरह कौ अंग (साखी क्रमांक 1 से 10) ज्ञान विरह कौ अंग (साखी क्रमांक 1 से 10), परचा कौ अंग (साखी क्रमांक 1 से 10), पद क्रमांक – 1,11,16,21,24,50,60,65,69,70 (दस पद)

इकाई – 2 व्याख्यांश – **जायसी**

पदमावत – (व्याख्याकार) डॉ. वासुदेवशरण अग्रवाल (मानसरोदक खण्ड एवं नागमती वियोग खण्ड)

इकाई – 3 विद्यापति और कबीर से सम्बन्धित आलोचनात्मक प्रश्न।

इकाई – 4
1 जायसी से सम्बन्धित आलोचनात्मक प्रश्न।
2 प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य (निर्गुणधारा) का इतिहास, प्रमुख प्रवृत्तियाँ एवं रचनाकारों से सम्बन्धित प्रश्न।

इकाई – 5 द्रुतपाठ के कवि–चंदबरदाई, अमीर खुसरो, रैदास और नामदेव से सम्बन्धित लघूत्तरीय प्रश्न।

अंक–विभाजन
5 लघूत्तरीय प्रश्न 5 x 5 = 25 अंक
5 दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न 5 x 7 = 35 अंक
पूर्णांक = 60 अंक

निर्देश :–

(अ) दीर्घ–उत्तरीय पाँच प्रश्नों में से इकाई एक से दो व्याख्यात्मक प्रश्न तथा इकाई दो से एक व्याख्यात्मक प्रश्न (आन्तरिक विकल्प सहित) होगा तथा दो दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न तृतीय और चतुर्थ इकाई से सम्बद्ध होंगे (आन्तरिक विकल्प सहित)।

(आ) लघूत्तरीय प्रश्न इकाई पाँच के अतिरिक्त अन्य इकाइयों से भी पूछे जा सकते हैं।

(इ) लघूत्तरीय प्रश्नों की शब्द सीमा अधिकतम 100 शब्दों की तथा दीर्घ–उत्तरीय प्रश्नों की शब्द सीमा अधिकतम 800 शब्दों की होगी।

सन्दर्भ ग्रन्थ

1. विद्यापति – डॉ. शिवप्रसाद सिंह
2. विद्यापति विभा – डॉ. वीरेन्द्रकुमार बड़सूवाला
3. विद्यापति पदावली – (सम्पादक और अनुवादक) आनन्द केंटिश कुमारस्वामी और अरुण सेन (भूमिका लेखक) डॉ. विद्यानिवास मिश्र
4. विद्यापतिका – डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी
5. विद्यापति पदावली – (सम्पादक) रामवृक्ष बेनीपुरी
6. विद्यापति – डॉ. आनंदप्रकाश दीक्षित
7. विद्यापति – रमानाथ झा (अनुवादक) महेन्द्रकुमार वर्मा
8. कबीर – आचार्य हज़ारीप्रसाद द्विवेदी
9. कबीर का रहस्यवाद – डॉ. रामकुमार वर्मा
10. कबीर साहित्य की परख – परशुराम चतुर्वेदी
11. कबीर वचनामृत – डॉ. विद्यानिवास मिश्र और डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी
12. कबीर वाड्मय (तीन भाग) – (सम्पादक) जयदेव सिंह और वासुदेव सिंह
13. कबीर – प्रभाकर माचवे
14. कबीर : एक अनुशीलन – डॉ. रामकुमार वर्मा
15. जायसी ग्रन्थावली – (सम्पादक) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

16. जायसी – रामपूजन तिवारी
17. जायसी – परमानन्द श्रीवास्तव
18. हिन्दी साहित्य का आदिकाल – आचार्य हज़ारीप्रसाद द्विवेदी
19. सन्त साहित्य के प्रेरणास्रोत – परशुराम चतुर्वेदी
20. सन्त साहित्य – डॉ. प्रेमनारायण शुक्ल
21. सूफीमत और हिन्दी साहित्य – डॉ. विमलकुमार जैन
22. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास – डॉ. रामकुमार वर्मा
23. हिन्दी साहित्यः उद्‌भव और विकास – आ. हज़ारीप्रसाद द्विवेदी
24. उत्तर भारत की सन्त परम्परा – परशुराम चतुर्वेदी
25. हिन्दी साहित्य का अतीत (दो भाग) – आचार्य विश्वनाथप्रसाद मिश्र
26. हिन्दी साहित्य का इतिहास – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
27. नामदेव – माधव गोपाल देशमुख (अनुवादक) प्रभाकर माचवे
28. खुसरो की हिन्दी कविता – (सम्पादक) ब्रजरत्नदास
29. अमीर खुसरो और उनका साहित्य – डॉ. भोलानाथ तिवारी
30. अमीर खुसरो का हिन्दवी काव्य – गोपीचन्द्र नारंग (अनुवादक) नूर नबी अब्बासी
31. पृथ्वीराज रासो : भाषा और साहित्य – डॉ. नामवर सिंह
32. संक्षिप्त पृथ्वीराज रासो – आचार्य हज़ारीप्रसाद द्विवेदी और डॉ. नामवर सिंह
33. चंदबरदाई – शांता सिंह

CCT - 2

आधुनिक हिन्दी गद्य और उसका इतिहास

पूर्णांक – 60 अंक

कार्यक्रम अधिगम परिणाम (LOCF)-

पाठ्यक्रम के इस भाग का अधिगम निम्नवत् होगा–

- हिंदी गद्य के कथा साहित्य तथा अन्य गद्य विधाओं का ज्ञान प्राप्त होगा।
- विभिन्न हिंदी की कथा तथा कथेतर विधाओं के स्वरूप का ज्ञान होगा।
- युगीन संदर्भों के आलोक में कथा तथा कथेतर गद्य विधाओं को जान सकेंगे।
- इनके अध्ययन से विद्यार्थी व्यक्तियों, स्थानों, प्रकृति एवं पर्यावरण से परिचित हो सकेंगे।

इकाई – 1 व्याख्यांश – 1 स्कन्दगुप्त – जयशंकर प्रसाद

2 आधे अधूरे – मोहन राकेश

इकाई – 2 व्याख्यांश : गोदान – प्रेमचन्द

इकाई – 3 स्कन्दगुप्त और आधे अधूरे से आलोचनात्मक प्रश्न।

इकाई – 4 1 गोदान से आलोचनात्मक प्रश्न।

2 हिन्दी नाटक, रंगमंच, उपन्यास के इतिहास, प्रमुख प्रवृत्तियाँ और प्रमुख रचनाकारों से संबंधित प्रश्न।

इकाई – 5 द्रुतपाठ में निर्धारित गद्यकारों से सम्बद्ध 5 लधूत्तरीय प्रश्न होंगे।

1 **नाटककार –** भारतेन्दु हरिश्चन्द्र, डॉ. रामकुमार वर्मा, जगदीशचन्द्र माथुर, धर्मवीर भारती, लक्ष्मीनारायण लाल।

2 **उपन्यासकार –** जैनेंद्र कुमार, अमृतलाल नागर, निर्मल वर्मा, भीष्म साहनी और मन्नू भंडारी।

अंक–विभाजन

5 लघूत्तरीय प्रश्न 5 x 5 = 25 अंक

5 दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न 5 x 7 = 35 अंक

पूर्णांक = 60 अंक

निर्देश :–

(अ) दीर्घ–उत्तरीय पाँच प्रश्नों में से इकाई एक से दो व्याख्यात्मक प्रश्न तथा इकाई दो से एक व्याख्यात्मक प्रश्न (आंतरिक विकल्प सहित) होगा तथा दो दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न तृतीय और चतुर्थ इकाई से संबद्ध होंगे (आंतरिक विकल्प सहित)।

(आ) लघूत्तरीय प्रश्न इकाई पाँच के अतिरिक्त अन्य इकाइयों से भी पूछे जा सकते हैं।

(इ) लघूत्तरीय प्रश्नों की शब्द सीमा अधिकतम 100 शब्दों की तथा दीर्घ–उत्तरीय प्रश्नों की शब्द सीमा अधिकतम 800 शब्दों की होगी।

सन्दर्भ ग्रन्थ

1. प्रेमचन्द और उनका युग – रामविलास शर्मा।
2. कमल का सिपाही – अमृत राय।
3. प्रेमचन्द – सं. विश्वनाथप्रसाद तिवारी।
4. प्रेमचन्द – सत्येन्द्र।
5. आधुनिकता और हिन्दी उपन्यास – डॉ. इन्द्रनाथ मदान।
6. हिन्दी साहित्य का इतिहास – डॉ. नगेन्द्र।
7. द्वितीय समरोत्तर हिन्दी साहित्य का इतिहास – लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय।
8. अमृतलाल नागर एवं अमृत और विष – डॉ. हरिमोहन बुधौलिया।
9. भारतेन्दु का नाट्य–साहित्य – डॉ. वीरेन्द्रकुमार शुक्ल।
10. भारतेन्द्रयुगीन नाट्य–साहित्य – डॉ. भानुदेव शुक्ल।
11. प्रसाद : नाट्य और रंग शिल्प – डॉ. गोविन्द चातक।
12. प्रसाद के नाटकों की पुनर्रचना – डॉ. सिद्धनाथकुमार।
13. प्रसाद के ऐतिहासिक नाटक – डॉ. जगदीशचंद्र जोशी।
14. हिन्दी नाट्क और रंगमंचः पहचान और परख – डॉ. इन्द्रनाथ मदान।
15. आधुनिक हिन्दी नाटक और रंगमंच – नेमिचन्द्र जैन।
16. आज का हिन्दी नाटक : प्रगाति और प्रभाव – डॉ. दशरथ ओझा।
17. आधुनिक हिन्दी नाटक और रंगमंच – डॉ. जयदेव तनेजा।
18. समकालीन हिन्दी रंग नाटक – डॉ. विनय।
19. आज के हिन्दी नाटक – डॉ. जयदेव तनेजा।
20. रंगमंच सरोकार – डॉ. पवनकुमार मिश्र।
21. प्रसाद के नाटक – परमेश्वरीलाल गुप्त।
22. रंग दर्शन – नेमिचन्द्र जैन।

23. संस्कृत और हिन्दी नाटक – रचना एवं रंगकर्म – डॉ. जयकुमार जलज।
24. आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी के उपन्यास – प्रो. बी.एल. आच्छा

CCT - 3

भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र

पूर्णांक – 60 अंक

कार्यक्रम अधिगम परिणाम (LOCF)-

पाठ्यक्रम के इस भाग का अधिगम निम्नवत् होगा–

- विद्यार्थियों में आलोचनात्मक विवेक तथा समीक्षात्मक दृष्टि का विकास होगा।
- भारतीय काव्यचिन्तन से उनका परिचय हो सकेगा।
- विद्यार्थियों में भाषा–शिक्षण के संस्कारों का विकास होगा।
- हिंदी आलोचकों के परिचय द्वारा समीक्षात्मक विवेक का विकास

इकाई – 1 काव्य–लक्षण, काव्य–हेतु, काव्य–प्रयोजन और काव्य–प्रभेद।

इकाई – 2 रस–सिद्धान्त : रस का स्वरूप, रस–निष्पत्ति, रस के अंग, साधारणीकरण, सहृदय की अवधारणा।
अलंकार सिद्धान्त : मूल स्थापनाएँ, अंलकारों का वर्गीकरण।

इकाई – 3 रीति–सिद्धांत : रीति की अवधारणा, काव्य–गुण, रीति एवं शैली, रीति सिद्धांत की प्रमुख स्थापनाएँ।
वक्रोक्ति सिद्धांत : वक्रोक्ति की अवधारणा, वक्रोक्ति के भेद, वक्रोक्ति एवं अभिव्यंजनावाद।

इकाई – 4 ध्वनि सिद्धांत : ध्वनि का स्वरूप, ध्वनि–सिद्धांत की प्रमुख स्थापनाएँ, ध्वनि काव्य के प्रमुख भेद, गुणीभूत–व्यंग्य, चित्रकाव्य।
औचित्य सिद्धांत : प्रमुख स्थापनाएँ, औचित्य के भेद।

अंक–विभाजन
5 लघूत्तरीय प्रश्न 5 x 5 = 25 अंक
5 दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न 5 x 7 = 35 अंक

रीतिकालीन कवि – आचार्यों का काव्यशास्त्रीय चिंतन : लक्षण, काव्य परंपरा एवं कवि–शिक्षा। **पूर्णांक = 60 अंक**

इकाई – 5 आधुनिक हिन्दी आलोचना की प्रमुख प्रवृत्तियाँ : शास्त्रीय, व्यक्तिवादी/सौष्ठववादी, ऐतिहासिक, तुलनात्मक, मनोविश्लेषणवादी, सौंदर्यशास्त्रीय, शैलीवैज्ञानिक और समाजशास्त्रीय।

निर्देश :–

लघूत्तरीय प्रश्नों की शब्द सीमा अधिकतम 100 शब्दों की तथा दीर्घ–उत्तरीय प्रश्नों की शब्द सीमा अधिकतम 800 शब्दों की होगी।

सन्दर्भ ग्रन्थ

1 भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिका – डॉ. नगेन्द्र।

2 भारतीय काव्यशास्त्र – डॉ. उदयभानु सिंह।

3 हिन्दी काव्यशास्त्र का इतिहास – संपा. डॉ. भगीरथ मिश्र।

4 भारतीय काव्यशास्त्र के नये क्षितिज – डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी।

5 साहित्य सिद्वान्त – डॉ. रामअवध द्विवेदी।

6 रीतिकाल के प्रमुख आचार्य – डॉ. सत्यदेव चौधरी।

7 हिन्दी आलोचना के आधार स्तम्भ – डॉ. रामेश्वरलाल खण्डेलवाल।

8 हिन्दी आलोचना – विश्वनाथ त्रिपाठी।

9 हिन्दी आलोचना का विकास – नन्दकिशोर नवल।

10 आचार्य रामचन्द्र शुक्ल और हिन्दी आलोचना – रामविलास शर्मा ।

11 रस–सिद्वान्त – डॉ. नगेन्द्र

12 विश्वेश्वर से महाकालेश्वर (आचार्य राममूर्ति त्रिपाठी अभिनन्दन ग्रन्थ) संपा. डॉ. विद्यानिवास मिश्र और डॉ. जगदीश शर्मा।

13 भारतीय काव्य–विमर्श – डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी।

14 अर्द्धशती का भारतीय काव्य : विपक्ष और पक्ष – डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी।

16 शब्दशक्ति सम्बन्धी भारतीय और पाश्चात्य अवधारणा तथा हिन्दी काव्यशास्त्र – डॉ. शैलेन्द्रकुमार शर्मा।

17 सर्जनात्मक भाषा और आलोचना – डॉ. बी.एल.आच्छा।

ECT - 1

(1) प्रयोजनमूलक हिन्दी

पूर्णांक – 60 अंक

कार्यक्रम अधिगम परिणाम (LOCF)-

पाठ्यक्रम के इस भाग का अधिगम निम्नवत् होगा–

- प्रयोजन मूलक हिंदी की उपयोगी जानकारी प्राप्त कर छात्र रोज़गार के सरकारी तथा
- गरै सरकारी क्षेत्रो क` लिए हिंदी के प्रयोग में दीक्षित हो सकेंगे।
- हिंदी भाषा और उस के विविध प्रयोगों की जानकारी प्राप्त कर छात्र राजभाषा हिंदी के
- संवर्द्धन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकेंगे।
- पारिभाषिक शब्दावली के माध्यम से छात्र प्रयोजन मूलक हिंदी के वैशिष्ट्य को समझ सकेंगे।
- छात्र कामकाज से संबंधित पत्र लेखन में सक्षम हो सकेंगे।
- विज्ञापन लेखन का कौशल प्राप्त कर छात्र विज्ञापन एजेंसियों म` रोज़गार पा सकेंग।
- छात्रों में अनुवाद कार्य की समझ और अनुवाद कार्य करने की क्षमता विकसित हो सकेगी।
- छात्रों में भाषा का मौखिक और लिखित कौशल संवर्धन हो सकेगा।

इकाई 1 कामकाजी हिन्दी

1. हिन्दी के विभिन्न रूप–सर्जनात्मक भाषा, संचार भाषा, राष्ट्रभाषा, राजभाषा, माध्यम भाषा, मातृभाषा।
2. कार्यालयीन हिन्दी, राजभाषा के प्रमुख प्रकार्य :– प्रारूपण, पत्र लेखन, संक्षेपण, पल्लवन, टिप्पणी।

इकाई 2 पारिभाषिक शब्दावली

1 पारिभाषिक शब्द : परिभाषा, विशेषताएँ और प्रकार।

2 पारिभाषिक शब्दावली के निर्माण के सिद्धांत।

3 पारिभाषिक शब्दावली : उदाहरण एवं उनका व्यावहारिक प्रयोग।

इकाई 3 हिन्दी कम्प्यूटिंग

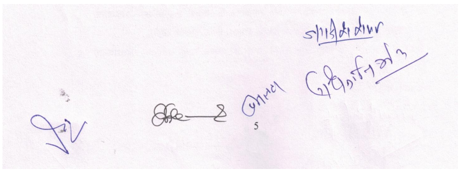

1 कम्प्यूटर : परिचय, रूपरेखा, उपयोग तथा वेब पब्लिशिंग का परिचय।
2 इंटरनेट, संपर्क उपकरणों का परिचय, प्राथमिक रख–रखार एवं इंटरनेट समय मितव्ययिता के सूत्र।
3 वेब पब्लिकेशन।
4 इंटरनेट एक्सप्लोरर अथवा नेटस्केप कम्प्यूनिकेटर।
5 लिंक, ब्राउजिंग, पोर्टल, ई–मेल भेजना/प्राप्त करना, हिन्दी के प्रमुख इंटरनेट पोर्टल, डाउनलोडिंग एवं अपलोडिंग, हिन्दी सॉफ्टवेयर पैकेज।

इकाई 4 पत्रकारिता

1 पत्रकारिता : स्वरूप एवं विभिन्न प्रकार।
2 हिन्दी पत्रकारिता का संक्षिप्त इतिहास।
3 समााचार–लेखन कला।
4 संपादन के आधारभूत तत्त्व।
5 व्यावहारिक प्रूफ शोधन।

इकाई 5 पत्रकारिता

1 पत्रकारिता : शीर्षक की संरचना, लीड, इण्ट्रो एवं शीर्षक संपादन।
2 संपादकीय लेखन
3 पृष्ठसज्जा
4 साक्षात्कार, पत्रकार वार्ता एवं प्रेस प्रबंधन
5 प्रमुख प्रेस कानून एवं आचार–संहिता।

अंक–विभाजन
5 लघूत्तरीय प्रश्न 5 x 5 = 25 अंक
5 दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न 5 x 7 = 35 अंक
पूर्णांक = 60 अंक

निर्देश :–

लघूत्तरीय प्रश्नों की शब्द सीमा अधिकतम 100 शब्दों की तथा दीर्घ–उत्तरीय प्रश्नों की शब्द सीमा अधिकतम 800 शब्दों की होगी।

सन्दर्भ ग्रन्थ

1 व्यावहारिक राजभाषा – डॉ. आलोककुमार रस्तोगी।
2 प्रशासनिक हिन्दी : ऐतिहासिक सन्दर्भ – महेशचन्द्र गुप्त।
3 हिन्दी और भारतीय भाषाएँ – भोलानाथ तिवारी।
4 प्रयोजनमूलक हिन्दी – विनोद गोदरे।
5 व्यावहारिक हिन्दी – महेन्द्र मितल।
6 प्रशासनिक हिन्दी निपुणता – हरिबाबू कंसल।
7 हिन्दी पत्रकारिता – डॉ. कृष्णबिहारी मिश्र।

8 मध्यप्रदेश में पत्रकारिता : उद्भव और विकास – डॉ. विजयदत्त श्रीधर।
9 मालवा की हिन्दी पत्रकारिता – डॉ. मोहन परमार।
10 आधुनिक पत्रकार कला – रा.ट. खण्डेलकर।
11 देवनागरी विमर्श – संपा. डॉ. शैलेन्द्रकुमार शर्मा।
12 आधुनिक पत्रकारिता – डॉ. अर्जुन तिवारी
13 सम्पूर्ण पत्रकारिता – डॉ. अर्जुन तिवारी
14 पारिभाषिक शब्दावली – डॉ. भोलानाथ तिवारी और डॉ. महेन्द्र चतुर्वेदी
15 प्रयोजनमूलक हिन्दी और जनसंचार – डॉ. राजेन्द्र मिश्र

ECT - 1

(2) हिन्दी साहित्य का इतिहास

पूर्णांक – 60 अंक

कार्यक्रम अधिगम परिणाम (LOCF)-

पाठ्यक्रम के इस भाग का अधिगम निम्नवत् होगा–

- विद्यार्थियों को भारतवर्ष की 7वीं से 21 वीं शताब्दी तक के सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक और आर्थिक परिदृश्य आदि का ज्ञान प्राप्त होगा।
- हिन्दी के सभी कालों के साहित्यकार और उनकी रचनाओं से वे परिचित हो सकेंगे।
- हिन्दी के सभी कालों के साहित्य का भावात्मक और राजसत्तात्मक प्रभाव ज्ञान प्राप्त होगा।
- इससे सृजन के काव्य रूप का ज्ञान प्राप्त होगा।
- इससे साहित्य सृजन के आधार हिंदी भाषा और मौलिक स्वरूप का ज्ञान प्राप्त होगा।

इकाई–1 हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा और साहित्येतिहास के पुनर्लेखन की समस्याएँ। हिन्दी साहित्य के इतिहास का काल–विभाजन और नामकरण।

इकाई–2 हिन्दी साहित्य के आदिकाल की पृष्ठभूमि, साहित्यिक प्रवृत्तियाँ, काव्यधाराएँ, गद्य–साहित्य, प्रतिनिधि रचनाकार और उनकी रचनाएँ।

इकाई–3 पूर्व मध्यकाल (भक्तिकाल) की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, सांस्कृतिक चेतना एवं भक्ति आन्दोलन, विभिन्न काव्यधाराएँ तथा उनका विश्लेषण, प्रमुख निर्गुण सन्त कवि और प्रमुख सूफी कवियों का अवदान।

इकाई–4 राम और कृष्णकाव्य : प्रमुख कवि और उनका रचनागत वैशिष्ट्य।

इकाई–5 उत्तर मध्यकाल (रीतिकाल) की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, काल सीमा और नामकरण, विविध धाराएँ (रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध, रीतिमुक्त) – प्रवृत्तियाँ और विशेषताएँ।

अंक–विभाजन
5 लघूत्तरीय प्रश्न 5 x 5 = 25 अंक
5 दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न 5 x 7 = 35 अंक
पूर्णांक = 60 अंक

निर्देश :–

लघूत्तरीय प्रश्नों की शब्द सीमा अधिकतम 100 शब्दों की तथा दीर्घ–उत्तरीय प्रश्नों की शब्द सीमा अधिकतम 800 शब्दों की होगी।

संदर्भ ग्रंथ

1 हिन्दी साहित्य का इतिहास – आ.रामचन्द्र शुक्ल
2 हिन्दी साहित्य की भूमिका – आ. हज़ारीप्रसाद द्विवेदी
3 हिन्दी साहित्य का इतिहास – संपा. डॉ. नगेन्द्र
4 हिन्दी साहित्येतिहास दर्शन – नलिनविलोचन शर्मा
5 हिन्दी साहित्य का इतिहास – डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी
6 हिन्दी साहित्य और संवदेना का विकास – डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी
7 हिन्दी काव्य का इतिहास – डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी

ECT - 1

(3) विशिष्ट रचनाकार : प्रेमचन्द

कार्यक्रम अधिगम परिणाम (LOCF)-
पाठ्यक्रम के इस भाग का अधिगम निम्नवत् होगा–

पूर्णांक – 60 अंक

इकाई–1 व्याख्यांश – गोदान

इकाई–2 व्याख्यांश – कहानियाँ : बूढ़ी काकी, बड़े भाई साहब, शतरंज के खिलाड़ी, ठाकुर का कुआँ, पंच परमेश्वर और मंत्र।

इकाई–3 1 प्रेमचन्द का जीवनवृत्त, रचनासंसार और युगीन परिवेश।

2 प्रेमचन्द की निर्धारित कहानियों से सम्बद्ध आलोचनात्मक प्रश्न।

इकाई–4 1 गोदान से सम्बद्ध आलोचनात्मक प्रश्न।

2 हिन्दी उपन्यास की परम्परा और प्रेमचन्द।

इकाई–5 द्रुतपाठ – विश्वम्भरनाथ शर्मा कौशिक, पांडेय बेचन शर्मा 'उग्र', भगवतीप्रसाद वाजपेयी, वृन्दावनलाल वर्मा।

अंक–विभाजन

5 लघूत्तरीय प्रश्न 5 x 5 = 25 अंक

5 दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न 5 x 7 = 35 अंक

पूर्णांक = 60 अंक

निर्देश :–

(अ) दीर्घ–उत्तरीय पाँच प्रश्नों में से इकाई एक से दो व्याख्यात्मक प्रश्न तथा इकाई दो से एक व्याख्यात्मक प्रश्न (आंतरिक विकल्प सहित) होगा तथा दो दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न तृतीय और चतुर्थ इकाई से संबद्ध होंगे (आंतरिक विकल्प सहित)।

(आ) लघूत्तरीय प्रश्न इकाई पाँच के अतिरिक्त अन्य इकाइयों से भी पूछे जा सकते हैं।

(इ) लघूत्तरीय प्रश्नों की शब्द सीमा अधिकतम 100 शब्दों की तथा दीर्घ–उत्तरीय प्रश्नों की शब्द सीमा अधिकतम 800 शब्दों की होगी।

संदर्भ ग्रंथ

1 प्रेमचन्द एक विवेचन – आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी।

2 प्रेमचन्द एक अध्ययन – डॉ. राजेश्वर गुरु।

3 कलम का मजदूर : प्रेमचन्द–मदनगोपाल।

4 प्रेमचन्द एक विवेचन – डॉ. इन्द्रनाथ मदान।

5 प्रेमचन्द और उनका युग – डॉ. रामविलास शर्मा।

6 प्रेमचन्द – डॉ. गंगाप्रसाद विमल।

7 गोदान : मूल्यांकन और मूल्यांकन – डॉ. इन्द्रनाथ मदान।

8 कमल का सिपाही – अमृत राय।

9 प्रेमचन्द और उनका साहित्य – डॉ. शीला गुप्त।

10 प्रेमचन्द की हिन्दी – उर्दू कहानियाँ – डॉ. कमलकिशोर गोयनका।

11 आलोचनात्मक यथार्थवाद और प्रेमचन्द – सत्यकाम।

12 प्रेमचन्द : विरासत का सवाल – डॉ. शिवकुमार मिश्र।

13 प्रेमचन्द – प्रकाशचंद्र गुप्त।

14 गोदान – संपा. राजेश्वर गुरु।

ECT - 1

(4) भारतीय साहित्य

पूर्णांक – 60 अंक

कार्यक्रम अधिगम परिणाम (LOCF)-

पाठ्यक्रम के इस भाग का अधिगम निम्नवत् होगा–

- प्रत्येक साहित्य की अपनी विशेषताएँ होती हैं। इस दृष्टि से भारत की विभिन्न भाषाओं का अध्ययन कर सकेंगे।
- भारत बहुभाषा भाषी देश है किंतु भारत के विभिन्न संस्कृतियों में एक प्रकार की सूत्रबद्धता है। इस प्रश्नपत्र के अध्ययन से विद्यार्थी उससे परिचित हो सकेंगे।

इकाई–1 भारतीय साहित्य का अर्थ, परिभाषा और स्वरूप।

भारतीय साहित्य के प्रमुख अभिलक्षण।

भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याएँ।

इकाई–2 भारतीय साहित्य में आज के भारत के बिम्ब।

भारतीयता का समाजशास्त्र।

हिन्दी साहित्य में भारतीय मूल्यों की अभिव्यक्ति।

इकाई–3 उर्दू अथवा मराठी अथवा गुजराती साहित्य का अध्ययन–**काव्य**।

इकाई–4 उर्दू अथवा मराठी अथवा गुजराती साहित्य का अध्ययन – **गद्य साहित्य।**

इकाई–5 **उपन्यास : अग्निगर्भ (बा^{3}ला) – महाश्वेता देवी**

(इस उपन्यास से मात्र आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे)

अंक–विभाजन
5 लघूत्तरीय प्रश्न 5 x 5 = 25 अंक
5 दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न 5 x 7 = 35 अंक
पूर्णांक = 60 अंक

निर्देश :– लघूत्तरीय प्रश्नों की शब्द सीमा अधिकतम 100 शब्दों की तथा दीर्घ–उत्तरीय प्रश्नों की शब्द सीमा अधिकतम 800 शब्दों की होगी।

संदर्भ ग्रंथ

1 भारतीय साहित्य – संपा. डॉ. नगेन्द्र।
2 भारतीय साहित्य का समेकित इतिहास – संपा डॉ. नगेन्द्र।
3 तुलनात्मक साहित्य की भूमिका – इन्द्रनाथ चौधुरी।
4 भारतीय नाटक एवं रंगमंच – संपा. जगदीश चतुर्वेदी।
5 हिन्दी और मलयालम के दो सिम्बॉलिक (प्रतीकवादी) कवि – डॉ. एन. चन्द्रशेखरन् नायर।
6 साहित्य अध्ययन की दृष्टियाँ – संपा. रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव।
7 भारतीय वाङ्मय – डॉ. नगेन्द्र।
8 भारतीय साहित्य और कलाएँ – डॉ. एन. चन्द्रशेखरन् नायर।
9 मलयालम साहित्य : परख और पहचान – डॉ. आरसु।

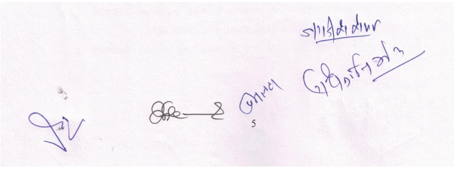

10 मराठी साहित्य : परिदृश्य – डॉ. चन्द्रकांत बांदिवडेकर।
11 उर्दू कविता – फिराक गोरखपुरी।
12 उर्दू की इश्किया शायरी – फिराक गोरखपुरी।
13 नजीर की बानी – फिराक गोरखपुरी।
14 हिन्दी एवं कन्नड़ साहित्य की प्रमुख धाराओं का तुलनात्मक अध्ययन – डॉ. एन.एस. कृष्णमूर्ति।

ECT - 1

(5) राजभाषा प्रशिक्षण

पूर्णांक – 60 अंक

कार्यक्रम अधिगम परिणाम (LOCF)-

पाठ्यक्रम के इस भाग का अधिगम निम्नवत् होगा–

- भारतीय संविधान में हिंदी को राजभाषा का गौरवपूर्ण स्थान प्राप्त है। विद्यार्थी को संविधान के 343 से 351 तक के अनुच्छेदों में संकेतित हिंदी प्रयोग की व्यवस्था का ज्ञान प्राप्त होगा।

इकाई–1 प्रशासन–व्यवस्था और भाषा।

भारत की बहुभाषिकता और एक सम्पर्क भाषा की आवश्यकता।

इकाई–2 राजभाषा (कार्यालयी हिन्दी) की प्रकृति।

राजभाषा विषयक सांविधानिक प्रावधान।

इकाई–3 राजभाषा अधिनियम (अनुच्छेद 340 से 351 तक), राष्ट्रपति के आदेश (1952,1955,1960), राजभाषा अधिनियम 1963 (यथा–संशोधित 1967), राजभाषा संकल्प (1968) (यथानुमोदित 1991), राजभाषा नियम 1976, द्विभाषी नीति और त्रिभाषा सूत्र।

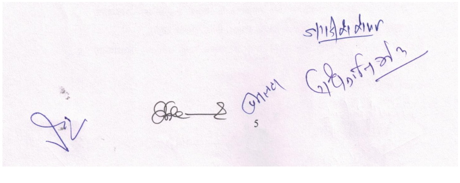

इकाई–4 हिन्दीतर राज्यों के प्रशासनिक क्षेत्रों में हिन्दी की स्थिति। अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर हिन्दी।

इकाई–5 हिन्दी के प्रचार–प्रचार में विभिन्न हिन्दी संस्थाओं की भूमिका, हिन्दी और देवनागरी लिपि के मानकीकरण की समस्या।

अंक–विभाजन

5 लघूत्तरीय प्रश्न 5 x 5 = 25 अंक

5 दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न 5 x 7 = 35 अंक

पूर्णांक = 60 अंक

निर्देश :– लघूत्तरीय प्रश्नों की शब्द सीमा अधिकतम 100 शब्दों की तथा दीर्घ–उत्तरीय प्रश्नों की शब्द सीमा अधिकतम 800 शब्दों की होगी।

संदर्भ ग्रंथ

1 विश्वभाषा हिन्दी – हज़ारीप्रसाद द्विवेदी।

2 राजभाषा हिन्दी – भोलानाथ तिवारी।

3 हिन्दी : सदियों से राजकाज में – महेशचन्द्र गुप्त।

4 कार्यालय कार्यबोध – हरिबाबू कंसल।

5 प्रशासनिक हिन्दी निपुणता – हरिबाबू कंसल।

6 व्यावहारिक हिन्दी पत्राचार – दंगल झाल्टे।

7 राजभाषा सहायिका – अवधेशमोहन गुप्त

8 राजभाषा विविधा – डॉ. माणिक मृगेश।

9 प्रशासनिक हिन्दी : ऐतिहासिक संदर्भ – महेशचन्द्र गुप्त।

10 व्यावहारिक राजभाषा – डॉ. आलोकुमार रस्तोगी।

11 बैंकों में प्रयोगशील हिन्दी – अनिलकुमार तिवारी।

12 बैंकों में हिन्दी पत्राचार – दंगल झाल्टे।

13 हिन्दी और भारतीय भाषाएँ – भोलानाथ तिवारी।

14 हिन्दी की आधारभूत शब्दावली – वी.रा. जगन्नाथन्।

15 प्रयोजन मूलक हिन्दी – विनोद गोदरे।

16 व्यावहसायिक हिन्दी – महेन्द्र चतुर्वेदी और भोलानाथ तिवारी

17 देवनागरी विमर्श – (संपा.) डॉ. शैलेन्द्रकुमार शर्मा।

ECT - 1

(6) भाषाशिक्षण

पूर्णांक – 60 अंक

कार्यक्रम अधिगम परिणाम (LOCF)-

पाठ्यक्रम के इस भाग का अधिगम निम्नवत् होगा–

- विद्यार्थी भाषा सीखने की सृजनात्मक प्रक्रिया कोसमझ सकेंग।
- भाषा की बारीकियों को समझ सकेंगे।
- भविष्य में हिंदी शिक्षण में अच्छे शिक्षक बन सकेंगे।

इकाई–1 भाषा–शिक्षण : उद्देश्य और स्वरूप।
भाषा–शिक्षण के सिद्धांत : उद्दीपन–अनुक्रिया पुर्नबलन सिद्धांत माध्यमीकरण, अन्तर्जातक्षमता, संज्ञानात्मक विकास।

इकाई–2 भाषा–शिक्षण के संदर्भ में भाषा के प्रकारः मातृभाषा, द्वितीय भाषा, विदेशी भाषा, समतुल्य भाषा, परिपूरक भाषा, सहायक भाषा, संपूरक भाषा।
मातृभाषा–शिक्षण और अन्य भाषा–शिक्षण में अन्तर, द्वितीय भाषा शिक्षण और विदेशी भाषा–शिक्षण।

इकाई–3 भाषा–शिक्षण की विधियाँ : व्याकरण–अनुवाद विधि, प्रत्यक्ष विधि, श्रवण–भाषण विधि, अभिक्रमित स्वाध्याय विधि, सम्प्रेषणात्मक विधि।

इकाई–4 भाषा–कौशल और उनका विकास : श्रवण, भाषण, वाचन और लेखन कौशलों का स्वरूप और उनमें योग्यता – प्राप्ति के विविध सोपान।

इकाई–5 भाषा–शिक्षण में उपयोगी साधन–सामग्री : औपचारिक भाषा–शिक्षण, नक्शे, चार्ट, चित्र, भाषा–प्रयोगशाला, अनौपचारिक भाषा–शिक्षण, आकाशवाणी, सिनेमा, दूरदर्शन आदि।

अंक–विभाजन

5 लघूत्तरीय प्रश्न 5 x 5 = 25 अंक

5 दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न 5 x 7 = 35 अंक

पूर्णांक = 60 अंक

निर्देश :–

लघूत्तरीय प्रश्नों की शब्द सीमा अधिकतम 100 शब्दों की तथा दीर्घ–उत्तरीय प्रश्नों की शब्द सीमा अधिकतम 800 शब्दों की होगी।

संदर्भ ग्रंथ

1 हिन्दी व्याकरण – काशीराम शर्मा
2 हिन्दी भाषा : संरचना के विविध आयाम – रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
3 भाषाविज्ञान : सैद्धान्तिक चिन्तन – रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
4 आधुनिक हिन्दी प्रयोग कोश – डॉ. बदरीनाथ कपूर
5 मानक हिन्दी के शुद्ध प्रयोग – रमेशचन्द्र महरोत्रा
6 हिन्दी में अशुद्धियाँ – रमेशचन्द्र महरोत्रा
7 सम्प्रेषणमूलक हिन्दी – डॉ. रामप्रकाश एवं डॉ. दिनेश गुप्त
8 प्रयोगात्मक हिन्दी – डॉ. रामप्रकाश एवं डॉ. दिनेश गुप्त
9 भाषा : संरचना एवं प्रयोग – डॉ. रामप्रकाश एवं डॉ. दिनेश गुप्त
10 प्रयोगात्मक और प्रयोजनमूलक हिन्दी – डॉ. रामप्रकाश एवं डॉ. दिनेश गुप्त
11 मानक हिन्दी : संकल्पना और संरचना – डॉ. रामप्रकाश
12 मानक हिन्दी : स्वरूप और संरचना – डॉ. रामप्रकाश
13 हिन्दी की मानक वर्तनी – कैलाशचन्द्र भाटिया एवं रचना भाटिया
14 हिन्दी भाषा : स्वरूप और विकास – कैलाशचन्द्र भाटिया
15 सैद्धान्तिक एवं अनुप्रयुक्त भाषाविज्ञान – डॉ. रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
16 हिन्दी भाषा की आर्थी संरचना – डॉ. भोलानाथ तिवारी
17 हिन्दी भाषा की शब्द संरचना – डॉ. भोलानाथ तिवारी
18 हिन्दी भाषा की वाक्य संरचना – डॉ. भोलानाथ तिवारी
19 हिन्दी भाषा की रूप संरचना – डॉ. भोलानाथ तिवारी
20 हिन्दी भाषा की ध्वनि संरचना – डॉ. भोलानाथ तिवारी

21 हिन्दी भाषा की लिपि संरचना – डॉ. भोलानाथ तिवारी
22 हिन्दी भाषा की सन्धि संरचना – डॉ. भोलानाथ तिवारी
23 हिन्दी भाषा की सामाजिक संरचना – डॉ. भोलानाथ तिवारी
24 हिन्दी भाषा : संदर्भ और संरचना – डॉ. सूरजभान सिंह
25 हिन्दी का वाक्यात्मक व्याकरण – डॉ. सूरजभान सिंह
26 हिन्दी शिक्षण और भाषा विश्लेषण – डॉ. विजयराघव रेड्डी
27 हिन्दी भाषा–शिक्षण – डॉ. भोलानाथ तिवारी, डॉ. कैलाशचन्द्र भाटिया
28 हिन्दी भाषा और नागरी लिपि – डॉ. भोलानाथ तिवारी
29 अच्छी हिन्दी : कैसे बोलें, कैसे लिखें – डॉ. भोलानाथ तिवारी
30 अच्छी हिन्दी – डॉ. रामचन्द्र वर्मा
31 शुद्ध हिन्दी – डॉ. हरदेव बाहरी
32 देवनागरी विमर्श – संपा. डॉ. शैलेन्द्रकुमार शर्मा

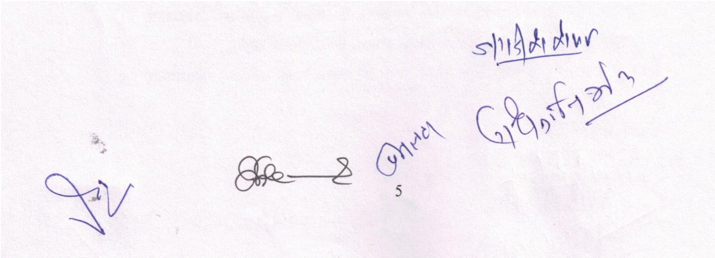

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन

मास्टर ऑफ़ आर्ट्स

कला संकाय

पाठ्यक्रम तथा अनुशंसित पुस्तकें

कार्यक्रम अधिगम परिणाम (LOCF)

एम.ए. हिन्दी

द्वितीय सिमेस्टर

(सी.बी.सी.एस. पद्धति)

सत्र 2018–2019

एम. ए. (हिन्दी) द्वितीय सिमेस्टर
(सी.बी.सी.एस. पद्धति)
निर्धारित पाठ्यक्रम
सत्र 2018–2019

CCT – 4 -	प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य और उसका इतिहास ।
CCT – 5 -	आधुनिक हिन्दी गद्य और उसका इतिहास ।
CCT – 6 -	भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र।
ECT – 2 -	(1) प्रयोजनमूलक हिन्दी।
ECT – 2 -	(2) हिन्दी साहित्य का इतिहास ।
ECT – 2 -	(3) विशिष्ट रचनाकार : प्रेमचन्द।
ECT – 2 -	(4) भारतीय साहित्य।
ECT – 2 -	(5) राजभाषा–प्रशिक्षण।
ECT – 2 -	(6) भाषाशिक्षण।
EDC-2 -	Communication Skills
P-2 -	Group Disscution
CVV- 2 -	Comprehensive viva-Voce (Virtual)

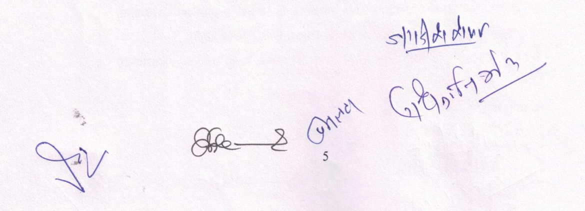

CCT- 04

प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य और उसका इतिहास

कार्यक्रम अधिगम परिणाम (LOCF)-
पाठ्यक्रम के इस भाग का अधिगम निम्नवत् होगा–

पूर्णांक – 60 अंक

- विद्यार्थी आदिकाल से लेकर मध्यकाल के पूर्वार्ध तक के सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक संदर्भों का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
- हिंदी साहित्य के प्रारंभिक और विकासात्मक स्वरूप से परिचित हो सकेंगे।
- हिंदी साहित्य के साहित्यकारों और उनकी रचनाओं के बारे में जान सकेंगे।
- हिंदी के भावगत, भाषागत और शैलीगत विकास से परिचित हो सकेंगे।

इकाई – 1 **व्याख्यांश : सूरदास**
भ्रमरगीत सार–संपा. आचार्य रामचंद्र शुक्ल
पद क्रमांक 51 से 100

इकाई – 2 **व्याख्यांश –**

1 **तुलसीदास** रामचरितमानस – अयोध्याकाण्ड
दोहा क्रमांक 51 से 100

2 **बिहारी** बिहारी रत्नाकर – संपा. जगन्नाथदास रत्नाकर
दोहा क्रमांक 1 से 50

इकाई – 3 सूरदास से संबंधित आलोचनात्मक प्रश्न।

इकाई – 4 1 बिहारी से संबंधित आलोचनात्मक प्रश्न।
2 भक्तिकाल (सगुण भक्तिधारा) एवं रीतिकाल का इतिहास, प्रमुख प्रवृत्तियाँ एवं रचनाकारों से संबंधित प्रश्न।

इकाई – 5 द्रुतपाठ के कवि – नन्ददास, मीराबाई, घनानंद और केशवदास से संबंधित लघूत्तरीय प्रश्न।

अंक–विभाजन
5 लघूत्तरीय प्रश्न 5 x 5 = 25 अंक
5 दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न 5 x 7 = 35 अंक
पूर्णांक = 60 अंक

निर्देश :–

(अ) दीर्घ–उत्तरीय पाँच प्रश्नों में से इकाई एक से एक व्याख्यात्मक प्रश्न तथा इकाई दो से दो व्याख्यात्मक प्रश्न (आंतरिक विकल्प सहित) होंगे तथा दो दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न तृतीय और चतुर्थ इकाई से संबद्ध होंगे (आंतरिक विकल्प सहित)।

(आ) लघूत्तरीय प्रश्न इकाई पाँच के अतिरिक्त अन्य इकाइयों से भी पूछे जा सकते हैं।

(इ) लघूत्तरीय प्रश्नों की शब्द सीमा अधिकतम 100 शब्दों की तथा दीर्घ–उत्तरीय प्रश्नों की शब्द सीमा अधिकतम 800 शब्दों की होगी।

सन्दर्भ ग्रन्थ

1. हिन्दी साहित्य का आदिकाल – आ. हजारीप्रसाद द्विवेदी।
2. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास – डॉ रामकुमार वर्मा।
3. हिन्दी साहित्य : उद्भव और विकास – आ. हजारीप्रसाद द्विवेदी।
4. उत्तर भारत की सन्त परम्परा – डॉ. परशुराम चतुर्वेदी।
5. हिन्दी साहित्य का आदिकाल – आ. हजारीप्रसाद द्विवेदी।
6. सूरदास – आ. रामचन्द्र शुक्ल।
7. महाकवि सूरदास – आ. हजारीप्रसाद द्विवेदी।
8. सूर साहित्य – आ. हजारीप्रसाद द्विवेदी।
9. सूरदास – डॉ. हरवंशलाल शर्मा।
10. गोस्वामी तुलसीदास – आ. रामचन्द्र शुक्ल।
11. तुलसीदास – डॉ. नन्दकिशोर नवल।
12. तुलसी काव्य मीमांसा – डॉ. उदयभानु सिंह
13. तुलसीदास – डॉ. माताप्रसाद गुप्त।
14. हिन्दी साहित्य का इतिहास – आ. रामचन्द्र शुक्ल।
15. बिहारी का नया मूल्यांकन – डॉ. बच्चन सिंह।
16. मीरा का काव्य – डॉ. विश्वनाथ त्रिपाठी
17. मीराबाई की पदावली – (संपा) परशुराम चतुर्वेदी।

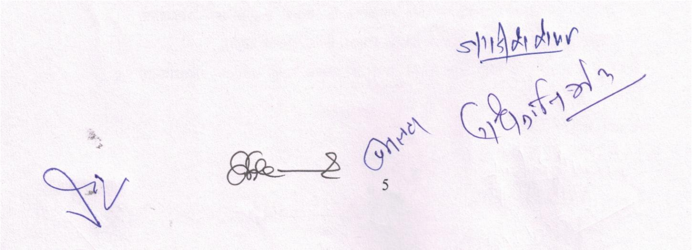

CCT- 05

आधुनिक हिन्दी गद्य और उसका इतिहास

पूर्णांक – 60 अंक

कार्यक्रम अधिगम परिणाम (LOCF)-

पाठ्यक्रम के इस भाग का अधिगम निम्नवत् होगा–

- विद्यार्थियों में आलोचनात्मक विवेक तथा समीक्षात्मक दृष्टि का विकास होगा।
- भारतीय काव्यचिन्तन से उनका परिचय हो सकेगा।
- विद्यार्थियों में भाषा–शिक्षण के संस्कारों का विकास होगा।
- हिंदी आलोचकों के परिचय द्वारा समीक्षात्मक विवेक का विकास

इकाई–1 व्याख्यांश –

1 **बाणभट्ट की आत्मकथा** – हजारीप्रसाद द्विवेदी

इकाई – 2 व्याख्यांश –

1 निबंध –

1 देश सेवा का महत्त्व – बालकृष्ण भट्ट
2 म्यूनिसीपलेटी के कारनामे – महावीरप्रसाद दिवेदी
3 काव्य में लोकमंगल की साधनावस्था – रामचन्द्र शुक्ल
4 अशोक के फूल – हजारीप्रसाद द्विवेदी
5 मेरे राम का मुकुट भीग रहा है – विद्यानिवास मिश्र
6 निर्वासन और प्रिया नीलकठी – कुबेरनाथ राय
7 पगडंडियों का ज़माना – हरिशंकर परसाई

2 निर्धारित कहानियाँ

1 उसने कहा था – चन्द्रधर शर्मा गुलेरी
2 पूस की रात – प्रेमचन्द
3 गुंडा – जयशंकर प्रसाद
4 अपना अपना भाग्य – जैनेंद्र कुमार
5 लंदन की एक रात – निर्मल वर्मा
6 राजा निरबंसिया – कमलेश्वर
7 सिक्का बदल गया – कृष्णा सोबती

3 पथ के साथी – महादेवी वर्मा

इकाई – 3 बाणभट्ट की आत्मकथा और निर्धारित निबंध से समीक्षात्मक प्रश्न।

इकाई – 4 1 निर्धारित कहानी और पथ के साथी से समीक्षात्मक प्रश्न।
2 हिन्दी निबंध, कहानी रेखाचित्र और संस्मरण के इतिहास, प्रमुख प्रवृत्तियाँ और प्रमुख रचनाकारों से सम्बद्ध निबन्धात्मक प्रश्न।

इकाई – 5 द्रुतपाठ मे निर्धारित गद्यकारों से सम्बद्ध 5 लघूत्तरीय प्रश्न होंगे।

1. **निबन्धकार**– भारतेंदु हरिश्चंद्र, प्रतापनारायण मिश्र, बालमुकुन्द गुप्त, सरदार पूर्णसिंह।
2. **कहानीकार** – अज्ञेय, यशपाल, फणीश्वरनाथ रेणु, भीष्म साहनी, अमरकांत
3. **स्फुट ग्रंथ** – 1 अमृत राय (क़लम का सिपाही), 2 शिवप्रसाद सिंह (उत्तर योगी) 3 हरिवंशराय बच्चन (क्या भूलूँ क्या याद करूँ) 4 राहुल सांकृत्यायन (घुमक्कड़शास्त्र) 5 माखनलाल चतुर्वेदी (साहित्य देवता)।

अंक–विभाजन

5 लघूत्तरीय प्रश्न 5 x 5 = 25 अंक
5 दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न 5 x 7 = 35 अंक
पूर्णांक = 60 अंक

निर्देश :–

(अ) दीर्घ–उत्तरीय पाँच प्रश्नों में से इकाई एक से एक व्याख्यात्मक प्रश्न तथा इकाई दो से दो व्याख्यात्मक प्रश्न (आंतरिक विकल्प सहित) होंगे तथा दो दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न तृतीय और चतुर्थ इकाई से संबद्ध होंगे (आंतरिक विकल्प सहित)।

(आ) लघूत्तरीय प्रश्न इकाई पाँच के अतिरिक्त अन्य इकाइयों से भी पूछे जा सकते हैं।

(इ) लघूत्तरीय प्रश्नों की शब्द सीमा अधिकतम 100 शब्दों की तथा दीर्घ–उत्तरीय प्रश्नों की शब्द सीमा अधिकतम 800 शब्दों की होगी।

सन्दर्भ ग्रन्थ

1. हजारीप्रसाद द्विवेदी : व्यक्तित्व और कृतित्व – डॉ. त्रिभुवन सिंह।
2. उपन्यासकार हजारीप्रसाद द्विवेदी – डॉ. इन्द्रनाथ मदान।
3. हिन्दी उपन्यास : शिल्प और प्रयोग – डॉ. त्रिभुवन सिंह।
4. हिन्दी उपन्यास – डॉ. रामदरश मिश्र।
5. हिन्दी निबन्ध और निबन्धकार – ठाकुरप्रसाद सिंह।
6. हिन्दी निबंध के आधार ग्रन्थ – हरिमोहन।
7. हिन्दी निबन्ध के रचना स्वर – डॉ. विजयबहादुर सिंह।
8. हिन्दी साहित्य का इतिहास – डॉ. नगेन्द्र।
9. द्वितीय समरोत्तर हिन्दी साहित्य का इतिहास – लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय।
10. अमृतलाल नागर एवं अमृत और विष – डॉ. हरिमोहन बुधौलिया।

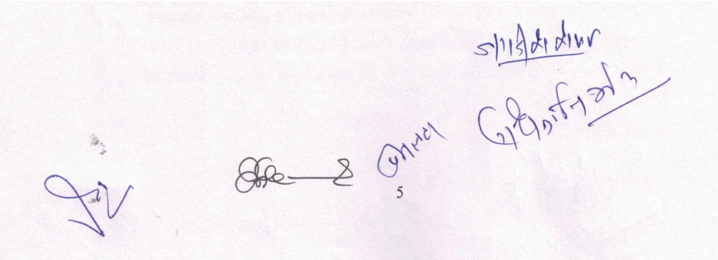

CCT- 06

भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र

पूर्णांक – 60 अंक

कार्यक्रम अधिगम परिणाम (LOCF)-

पाठ्यक्रम के इस भाग का अधिगम निम्नवत् होगा–

- विद्यार्थियों में आलोचनात्मक विवेक तथा समीक्षात्मक दृष्टि का विकास होगा।
- भारतीय काव्यचिन्तन से उनका परिचय हो सकेगा।
- विद्यार्थियों में भाषा–शिक्षण के संस्कारों का विकास होगा।
- हिंदी आलोचकों के परिचय द्वारा समीक्षात्मक विवेक का विकास

इकाई – 1 प्लेटो : काव्य–सिद्धांत
अरस्तू : अनुकरण–सिद्धांत, त्रासदी–विवेचन, विरेचन सिद्धांत।
लोंजाइनस : उदात्त की अवधारणा।

इकाई – 2 ड्राइडन के काव्यसिद्धांत।
वर्ड्सवर्थ : काव्य–भाषा का सिद्धांत।
कॉलरिज : कल्पना–सिद्धांत और ललित–कल्पना।

इकाई – 3 मैथ्यू आर्नल्ड : आलोचना का स्वरूप और प्रकार्य, टी.एस. इलियट : पंरपरा की परिकल्पना और वैयक्तिक प्रज्ञा, निर्वैयक्तिकता का सिंद्धात, वस्तुनिष्ठ समीकरण, संवेदनशीलता का असाहचर्य।
आई.ए. रिचर्ड्स : रागात्मक अर्थ। संवेगों का संतुलन, व्यावहारिक आलोचना।

इकाई – 4 सिद्धांत और वाद : आभिजात्यवाद, स्वच्छंदतावाद, अभिव्यंजनावाद, मार्क्सवाद, मनोविश्लेषणवाद।

इकाई – 5 सिद्धांत और वाद : अस्तित्ववाद, संरचनावाद, शैलीविज्ञान, विखंडनवाद, उत्तर आधुनिकतावाद।

अंक–विभाजन
5 लघूत्तरीय प्रश्न 5 x 5 = 25 अंक
5 दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न 5 x 7 = 35 अंक
पूर्णांक = 60 अंक

निर्देश :–

लघूत्तरीय प्रश्नों की शब्द सीमा अधिकतम 100 शब्दों की तथा दीर्घ–उत्तरीय प्रश्नों की शब्द सीमा अधिकतम 800 शब्दों की होगी।

सन्दर्भ ग्रन्थ

1. पाश्चात्य काव्यशास्त्र – रामपूजन तिवारी।
2. पाश्चात्य काव्यशास्त्र – डॉ. देवेन्द्रनाथ शर्मा।
3. पाश्चात्य काव्यशास्त्र का इतिहास – डॉ. तारकनाथ बली।
4. मार्क्सवादी साहित्य चिन्तन – डॉ. शिवकुमार मिश्र।
5. पाश्चात्य काव्यशास्त्र – डॉ. शान्तिस्वरूप गुप्त
6. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : इतिहास और सिद्धांत – डॉ. भगीरथ मिश्र।
7. सर्जनात्मक भाषा और आलोचना – डॉ. बी.एल. आच्छा।
8. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र का तुलनात्मक अनुशीलन – डॉ. योगेंद्रप्रताप सिंह, डॉ. संजयकुमार सिंह।

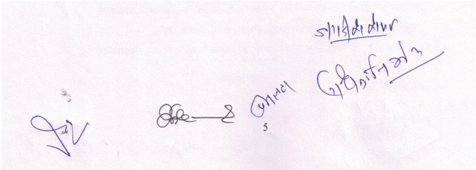

ECT- 02

(1) प्रयोजनमूलक हिन्दी

पूर्णांक – 60 अंक

कार्यक्रम अधिगम परिणाम (LOCF)-

पाठ्यक्रम के इस भाग का अधिगम निम्नवत् होगा–

- प्रयोजन मूलक हिंदी की उपयोगी जानकारी प्राप्त कर छात्र रोज़गार के सरकारी तथा
- गऱै सरकारी क्षेत्रो क` लिए हिंदी के प्रयोग में दीक्षित हो सकेंगे।
- हिंदी भाषा और उस के विविध प्रयोगों की जानकारी प्राप्त कर छात्र राजभाषा हिंदी के
- संवर्द्धन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकेंगे।
- पारिभाषिक शब्दावली के माध्यम से छात्र प्रयोजन मूलक हिंदी के वैशिष्ट्य को समझ सकेंगे।
- छात्र कामकाज से संबंधित पत्र लेखन में सक्षम हो सकेंगे।
- विज्ञापन लेखन का कौशल प्राप्त कर छात्र विज्ञापन एजेंसियों म` रोज़गार पा सकेंग`।
- छात्रों में अनुवाद कार्य की समझ और अनुवाद कार्य करने की क्षमता विकसित हो सकेगी।
- छात्रों में भाषा का मौखिक और लिखित कौशल संवर्धन हो सकेगा।

इकाई – 1 **मीडिया लेखन**

1. जनसंचार – प्रौद्योगिकी एवं चुनौतियाँ
2. विभिन्न जनसंचार माध्यमों का स्वरूप – मुद्रण, श्रव्य, दृश्य–श्रव्य, इंटरनेट।
3. श्रव्य माध्यम – रेडियो,
   मौखिक भाषा की प्रकृति, समाचार लेखन एवं वाचन, रेडियो नाटक, उद्घोषणा लेखन, विज्ञापन लेखन, फीचर तथा रिपोर्ताज

इकाई – 2

1 दृश्य–श्रव्य माध्यम (फिल्म, टेलीविजन, वीडियों,) दृश्य माध्यमों में भाषा की प्रकृति, दृश्य एवं श्रव्य सामग्री का सामंजस्य, पार्श्व वाचन (वायस ओवर), पटकथा लेखन, टेलीड्रामा, डॉक्यू ड्रामा, संवाद–लेखन, साहित्य की विधाओं का दृश्य–माध्यमों में रूपान्तरण, विज्ञापन की भाषा।

2 इंटरनेट सामग्री सृजन

इकाई – 3 **अनुवाद : सिद्धांत एवं व्यवहार**

1 अनुवाद का स्वरूप, क्षेत्र, प्रक्रिया एवं प्रविधि।
2 हिन्दी की प्रयोजनीयता में अनुवाद की भूमिका।
3 कार्यालयीन हिन्दी और अनुवाद।
4 जनसंचार माध्यमों का अनुवाद।
5 विज्ञापन में अनुवाद।
6 वैचारिक साहित्य का अनुवाद।

इकाई – 4 **अनुवाद : प्रक्रिया**

1. वाणिज्यिक अनुवाद।
2 वैज्ञानिक, तकनीकी तथा प्रौद्योगिकी क्षेत्र में अनुवाद।
3 व्यावहारिक अनुवाद अभ्यास।

4 कार्यालयीन अनुवाद :– कार्यालयीन एवं प्रशासनिक शब्दावली, प्रशासनिक प्रयुक्तियाँ, पदनाम, विभाग आदि।

5 पत्रों के अनुवाद।

6 पदनामों, अनुभागों, दस्तावेजों, प्रतिवेदनों के अनुवाद।

इकाई – 5 अनुवाद : प्रक्रिया

1 साहित्यिक अनुवाद के सिद्धांत एवं व्यवहार : कविता, कहानी, नाटक,

2 बैंक साहित्य का अनुवाद।

3 विधि साहित्य का अनुवाद।

4 सारानुवाद।

5 दुभाषिया प्रविधि।

6 अनुवाद पुनरीक्षण एवं मूल्यांकन।

अंक–विभाजन

5 लघूत्तरीय प्रश्न 5 x 5 = 25 अंक

5 दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न 5 x 7 = 35 अंक

पूर्णांक = 60 अंक

निर्देश :–

लघूत्तरीय प्रश्नों की शब्द सीमा अधिकतम 100 शब्दों की तथा दीर्घ–उत्तरीय प्रश्नों की शब्द सीमा अधिकतम 800 शब्दों की होगी।

सन्दर्भग्रंथ

1 प्रयोजनमूलक हिन्दी – विनोद गोदरे।
2 व्यावहारिक हिन्दी – महेन्द्र मित्तल।
3 अनुवाद क्या है – डॉ. भ. ह. राजूरकर।
4 अनुवाद सिद्धांत की रूपरेखा – डॉ. सुरेशकुमार।
5 अनुवाद : भाषाएँ, समस्याएँ – एन.ई. विश्वनाथ अय्यर।
6 वैज्ञानिक साहित्य के अनुवाद की समस्याएँ– डॉ. भोलानाथ तिवारी।
7 सृजनात्मक साहित्य का अनुवाद : स्वरूप एवं समस्याएँ – डॉ. सुरेश सिंहल।
8 काव्यानुवाद की समस्याएँ– डॉ. भोलानाथ तिवारी।
9 अनुवादकला – डॉ. भोलानाथ तिवारी।
10 पत्रकारिता में अनुवाद की समस्याएँ – डॉ. भोलानाथ तिवारी।
11 अनुवादकला : सिद्धांत और प्रयोग – कैलाशचन्द्र भाटिया।
12 भारतीय भाषाएँ और हिन्दी अनुवादः समस्याएँ और समाधान – संपा. कैलाशचन्द्र भाटिया।
13 अनुवादविज्ञान – डॉ. नगेन्द्र।
14 रेडियो लेखन – मधुकर गंगाधर।
15 पटकथा लेखन : एक परिचय – डॉ. मनोहरश्याम जोशी।
16 टेलीविजन लेखन – असगर वजाहत एवं प्रभात रंजत।
17 रेडियो नाटक की कला – डॉ. सिद्धनाथ कुमार ।
18 रेडियो वार्ता शिल्प – डॉ. सिद्धनाथ कुमार।
19 जनसंचार : विविध आयाम – ब्रजमोहन गुप्त।
20 हिन्दी विज्ञापनों की भाषा – आशा पाण्डेय।
21 आधुनिक पत्रकार कला – रा.ट. खण्डेलकर।
22 देवनागरी विमर्श : संपा डॉ. शैलेंद्रकुमार शर्मा।

ECT-02

(2) हिन्दी साहित्य का इतिहास

पूर्णांक – 60 अंक

कार्यक्रम अधिगम परिणाम (LOCF)-

पाठ्यक्रम के इस भाग का अधिगम निम्नवत् होगा–

- विद्यार्थियों को भारतवर्ष की 7वीं से 21 वीं शताब्दी तक के सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक और आर्थिक परिदृश्य आदि का ज्ञान प्राप्त होगा।
- हिन्दी के सभी कालों के साहित्यकार और उनकी रचनाओं से वे परिचित हो सकेंगे।
- हिन्दी के सभी कालों के साहित्य का भावात्मक और राजसत्तात्मक प्रभाव ज्ञान प्राप्त होगा।
- इससे सृजन के काव्य रूप का ज्ञान प्राप्त होगा।
- इससे साहित्य सृजन के आधार हिंदी भाषा और मौलिक स्वरूप का ज्ञान प्राप्त होगा।

इकाई–1 आधुनिक काल **:** आधुनिक काल की सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, सन् 1857 ई. का प्रथम स्वाधीनता संग्राम और पुनर्जागरण।
भारतेन्दु युग : प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ।

इकाई–2 द्विवेदी युग : प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ।

इकाई–3 हिन्दी स्वच्छन्दतावादी चेतना का अग्रिम विकास। छायावादी काव्य, प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ। उत्तरछायावाद : प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ।

इकाई–4 प्रगतिवाद : प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ।
प्रयोगवाद : प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ।

इकाई–5 नयी कविता : प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ।
समकालीन कविता : प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ।

अंक–विभाजन
5 लघूत्तरीय प्रश्न 5 x 5 = 25 अंक
5 दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न 5 x 7 = 35 अंक
पूर्णांक = 60 अंक

निर्देश :–

लघूत्तरीय प्रश्नों की शब्द सीमा अधिकतम 100 शब्दों की तथा दीर्घ–उत्तरीय प्रश्नों की शब्द सीमा अधिकतम 800 शब्दों की होगी।

संदर्भ ग्रंथ

1 हिन्दी साहित्य का इतिहास – आ.रामचन्द्र शुक्ल
2 हिन्दी साहित्य की भूमिका – आ. हज़ारीप्रसाद द्विवेदी
3 हिन्दी साहित्य का इतिहास – डॉ. नगेन्द्र
4 हिन्दी साहित्येतिहास दर्शन – नलिन विलोचन शर्मा
5 हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास – डॉ. गणपतिचन्द्र गुप्त
6 हिन्दी साहित्य का इतिहास – डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी
7 आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास – डॉ. बच्चनसिंह
8 साहित्य का समाजशास्त्र – डॉ. निर्मला जैन
9 हिन्दी साहित्य और संवदेना का विकास–डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी
10 हिन्दी का गद्य साहित्य – डॉ. रामचंद्र तिवारी
11 हिन्दी गद्य : विन्यास और विकास – डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी

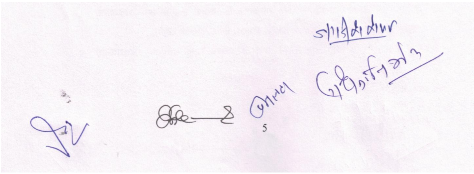

ECT-02

(3) विशिष्ट रचनाकार : प्रेमचन्द

पूर्णांक – 60 अंक

इकाई–1 **व्याख्यांश – 1** गबन

2 रंगभूमि

इकाई–2 **व्याख्यांश – 1** कर्मभूमि

2 कहानियाँ – कफन, ईदगाह, पूस की रात, दो बैलों की कथा, नमक का दरोगा, कजाकी और सद्गति।

इकाई–3 गबन, रंगभूमि और कर्मभूमि से सम्बद्ध आलोचनात्मक प्रश्न।

इकाई–4 1 प्रेमचन्द की निर्धारित कहानियों से सम्बद्ध आलोचनात्मक प्रश्न।

2 हिन्दी कहानी की परम्परा और प्रेमचन्द।

इकाई–5 द्रुतपाठ–जैनेन्द्र कुमार, यशपाल, भगवतीचरण वर्मा और अमृतलाल नागर।

अंक–विभाजन

5 लघूत्तरीय प्रश्न 5 x 5 = 25 अंक

5 दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न 5 x 7 = 35 अंक

पूर्णांक = 60 अंक

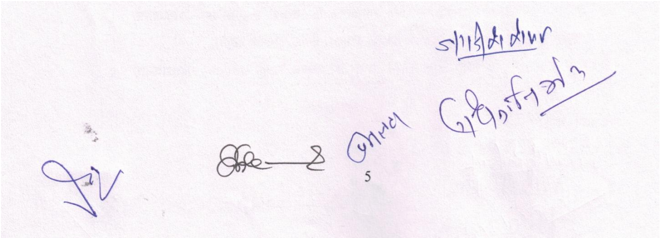

निर्देश :–

(अ) दीर्घ–उत्तरीय पाँच प्रश्नों में से इकाई एक से दो व्याख्यात्मक प्रश्न तथा इकाई दो से एक व्याख्यात्मक प्रश्न (आंतरिक विकल्प सहित) होगा तथा दो दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न तृतीय और चतुर्थ इकाई से संबद्ध होंगे (आंतरिक विकल्प सहित)।

(आ) लघूत्तरीय प्रश्न इकाई पाँच के अतिरिक्त अन्य इकाइयों से भी पूछे जा सकते हैं।

(इ) लघूत्तरीय प्रश्नों की शब्द सीमा अधिकतम 100 शब्दों की तथा दीर्घ–उत्तरीय प्रश्नों की शब्द सीमा अधिकतम 800 शब्दों की होगी।

संदर्भ ग्रंथ

1 प्रेमचन्द एक विवेचन – आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी।
2 प्रेमचन्द एक अध्ययन – डॉ. राजेश्वर गुरु।
3 कलम का मजदूर : प्रेमचन्द–मदनगोपाल।
4 प्रेमचन्द एक विवेचन – डॉ. इन्द्रनाथ मदान।
5 प्रेमचन्द और उनका युग – डॉ. रामविलास शर्मा।
6 प्रेमचन्द – डॉ. गंगाप्रसाद विमल।
7 गोदान : मूल्यांकन और मूल्यांकन – डॉ. इन्द्रनाथ मदान।
8 कमल का सिपाही – अमृत राय।
9 प्रेमचन्द और उनका साहित्य – डॉ. शीला गुप्त।
10 प्रेमचन्द की हिन्दी – उर्दू कहानियाँ – डॉ. कमलकिशोर गोयनका।
11 आलोचनात्मक यथार्थवाद और प्रेमचन्द – सत्यकाम।
12 प्रेमचन्द : विरासत का सवाल – डॉ. शिवकुमार मिश्र।
13 प्रेमचन्द – प्रकाशचंद्र गुप्त।
14 गोदान – संपा. राजेश्वर गुरु।

ECT-02

(4) भारतीय साहित्य

पूर्णांक – 60 अंक

कार्यक्रम अधिगम परिणाम (LOCF)-

पाठ्यक्रम के इस भाग का अधिगम निम्नवत् होगा–

- प्रत्येक साहित्य की अपनी विशेषताएँ होती हैं। इस दृष्टि से भारत की विभिन्न भाषाओं का अध्ययन कर सकेंगे।
- भारत बहुभाषा भाषी देश है किंतु भारत के विभिन्न संस्कृतियों में एक प्रकार की सूत्रबद्धता है। इस प्रश्नपत्र के अध्ययन से विद्यार्थी उससे परिचित हो सकेंगे।

इकाई–1 हिन्दी साहित्य और उर्दू अथवा मराठी अथवा गुजराती साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन – **काव्य**।

इकाई–2 हिन्दी साहित्य और उर्दू अथवा मराठी अथवा गुजराती साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन – **कथा साहित्य**।

इकाई–3 हिन्दी साहित्य और उर्दू अथवा मराठी अथवा गुजराती साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन – **कथेतर साहित्य**।

इकाई–4 **कविता संग्रह : कोच्चि के दरख्त (मलयालम)– के. जी., शंकर पिल्लै**
(इस पुस्तक से मात्र आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे)

इकाई–5 **नाटक : हयवदन (कन्नड़) – गिरीश कारनाड**
(इस नाटक से मात्र आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे)

अंक–विभाजन
5 लघूत्तरीय प्रश्न 5 x 5 = 25 अंक
5 दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न 5 x 7 = 35 अंक
पूर्णांक = 60 अंक

निर्देश :–

लघूत्तरीय प्रश्नों की शब्द सीमा अधिकतम 100 शब्दों की तथा दीर्घ–उत्तरीय प्रश्नों की शब्द सीमा अधिकतम 800 शब्दों की होगी।

संदर्भ ग्रंथ

1 भारतीय साहित्य – संपा. डॉ. नगेन्द्र।
2 भारतीय साहित्य का समेकित इतिहास – संपा डॉ. नगेन्द्र।
3 तुलनात्मक साहित्य की भूमिका – इन्द्रनाथ चौधुरी।
4 भारतीय नाटक एवं रंगमंच – संपा. जगदीश चतुर्वेदी।
5 हिन्दी और मलयालम के दो सिम्बॉलिक (प्रतीकवादी) कवि –डॉ. एन. चन्द्रशेखरन् नायर।
6 साहित्य अध्ययन की दृष्टियाँ – संपा. रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव।
7 भारतीय वाङ्मय – डॉ. नगेन्द्र।
8 भारतीय साहित्य और कलाएँ – डॉ. एन. चन्द्रशेखरन् नायर।
9 मलयालम साहित्य : परख और पहचान – डॉ. आरसु।
10 मराठी साहित्य : परिदृश्य – डॉ. चन्द्रकांत बांदिवडेकर।
11 उर्दू कविता – फिराक गोरखपुरी।
12 उर्दू की इश्किया शायरी – फिराक गोरखपुरी।
13 नजीर की बानी – फिराक गोरखपुरी।
14 हिन्दी एवं कन्नड़ साहित्य की प्रमुख धाराओं का तुलनात्मक अध्ययन – डॉ. एन.एस. कृष्णमूर्ति।

ECT-02

(5) राजभाषा प्रशिक्षण

पूर्णांक – 60 अंक

कार्यक्रम अधिगम परिणाम (LOCF)-

पाठ्यक्रम के इस भाग का अधिगम निम्नवत् होगा–

- भारतीय संविधान में हिंदी को राजभाषा का गौरवपूर्ण स्थान प्राप्त है। विद्यार्थी को संविधान के 343 से 351 तक के अनुच्छेदों में संकेतित हिंदी प्रयोग की व्यवस्था का ज्ञान प्राप्त होगा।

इकाई–1 राजभाषा का अनुप्रयोगात्मक पक्ष : हिन्दी आलेखन, टिप्पण, संक्षेपण तथा पत्राचार।
कार्यालय अभिलेखों के हिन्दी अनुवाद की समस्या।

इकाई–2 हिन्दी कम्प्यूटरीकरण
हिन्दी संकेताक्षर और कूटपद–निर्माण।

इकाई–3 हिन्दी में वैज्ञानिक और तकनीकी पारिभाषिक शब्द।
केंद्र एवं राज्य शासन के विभिन्न मन्त्रालयों में हिन्दीकरण की प्रगति।

इकाई–4 बैकिंग, बीमा और अन्य वाणिज्यिक क्षेत्रों में हिन्दी अनुप्रयोग की स्थिति।
विधिक क्षेत्र में हिन्दी।

इकाई–5 सूचना प्रौद्योगिकी (संचार माध्यमों) के परिप्रेक्ष्य में हिन्दी और देवनागरी लिपि।
भूमण्डलीकरण के परिप्रेक्ष्य में हिन्दी का भविष्य ।

अंक–विभाजन
5 लघूत्तरीय प्रश्न 5 x 5 = 25 अंक
5 दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न 5 x 7 = 35 अंक
पूर्णांक = 60 अंक

निर्देश :–

लघूत्तरीय प्रश्नों की शब्द सीमा अधिकतम 100 शब्दों की तथा दीर्घ–उत्तरीय प्रश्नों की शब्द सीमा अधिकतम 800 शब्दों की होगी।

संदर्भ ग्रंथ

1 विश्वभाषा हिन्दी – हज़ारीप्रसाद द्विवेदी।
2 राजभाषा हिन्दी – भोलानाथ तिवारी।
3 हिन्दी : सदियों से राजकाज में – महेशचन्द्र गुप्त।
4 कार्यालय कार्यबोध – हरिबाबू कंसल।
5 प्रशासनिक हिन्दी निपुणता – हरिबाबू कंसल।
6 व्यावहारिक हिन्दी पत्राचार – दंगल झाल्टे।
7 राजभाषा सहायिका – अवधेशमोहन गुप्त
8 राजभाषा विविधा – डॉ. माणिक मृगेश।
9 प्रशासनिक हिन्दी : ऐतिहासिक संदर्भ – महेशचन्द्र गुप्त।
10 व्यावहारिक राजभाषा – डॉ. आलोकुमार रस्तोगी।
11 बैंकों में प्रयोगशील हिन्दी – अनिलकुमार तिवारी।
12 बैंकों में हिन्दी पत्राचार – दंगल झाल्टे।

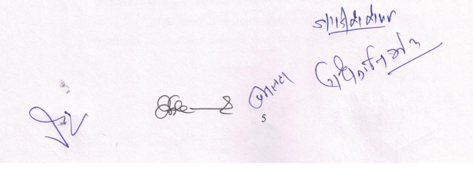

13 हिन्दी और भारतीय भाषाएँ – भोलानाथ तिवारी।

14 हिन्दी की आधारभूत शब्दावली – वी.रा. जगन्नाथन्।

15 प्रयोजन मूलक हिन्दी – विनोद गोदरे।

16 व्यावहसायिक हिन्दी – महेन्द्र चतुर्वेदी और भोलानाथ तिवारी

17 देवनागरी विमर्श – (संपा.) डॉ. शैलेन्द्रकुमार शर्मा।

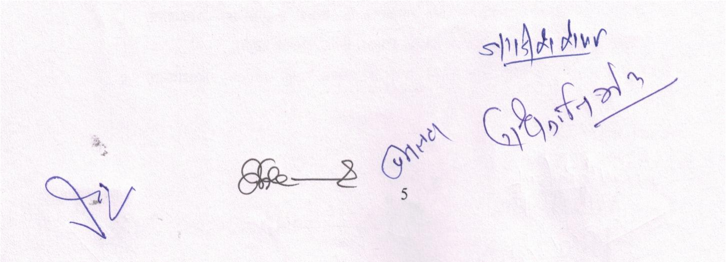

ECT-02

(6) भाषाशिक्षण

पूर्णांक – 60 अंक

कार्यक्रम अधिगम परिणाम (LOCF)-

पाठ्यक्रम के इस भाग का अधिगम निम्नवत् होगा–

- विद्यार्थी भाषा सीखने की सृजनात्मक प्रक्रिया कोसमझ सकेंगे।
- भाषा की बारीकियों को समझ सकेंगे।
- भविष्य में हिंदी शिक्षण में अच्छे शिक्षक बन सकेंगे।

इकाई–1 भाषा–शिक्षण और अभिरचना अभ्यास : आधारभूत सिद्धांत और मान्यताएँ, अभिरचना अभ्यास की सार्थकता और सीमाएँ।

इकाई–2 व्यतिरेकी विश्लेषण और त्रुटि–विश्लेषण : आधारभूत सिद्धांत और मान्यताएँ, भाषिक व्याघात, व्यतिरेकी विश्लेषण की प्रक्रिया, व्यतिरेकी विश्लेषण की सार्थकता और सीमाएँ।

इकाई–3 त्रुटि–विश्लेषण–आधारभूत सिद्धांत और मान्यताएँ, त्रुटियों के स्रोत–अन्तरभाषा की अवधारणा, शिक्षार्थी व्याकरण की संकल्पना और त्रुटि–विश्लेषण की सार्थकता और सीमाएँ।

इकाई–4 भाषा–परीक्षण और मूल्यांकन, भाषा–शिक्षण में निदानात्मक और उपचारात्मक विधियाँ। द्वितीय और विदेशी भाषा के रूप में हिन्दी भाषा–शिक्षण।

इकाई–5 हिन्दी उच्चारण, वर्तनी और व्याकरण का शिक्षण।

अंक–विभाजन

5 लघूत्तरीय प्रश्न 5 x 5 = 25 अंक
5 दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न 5 x 7 = 35 अंक
पूर्णांक = 60 अंक

निर्देश :–

लघूत्तरीय प्रश्नों की शब्द सीमा अधिकतम 100 शब्दों की तथा दीर्घ–उत्तरीय प्रश्नों की शब्द सीमा अधिकतम 800 शब्दों की होगी।

संदर्भ ग्रंथ

1 हिन्दी व्याकरण – काशीराम शर्मा
2 हिन्दी भाषा : संरचना के विविध आयाम – रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
3 भाषाविज्ञान : सैद्धान्तिक चिन्तन – रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
4 आधुनिक हिन्दी प्रयोग कोश – डॉ. बदरीनाथ कपूर
5 मानक हिन्दी के शुद्ध प्रयोग – रमेशचन्द्र महरोत्रा
6 हिन्दी में अशुद्धियाँ – रमेशचन्द्र महरोत्रा
7 सम्प्रेषणमूलक हिन्दी – डॉ. रामप्रकाश एवं डॉ. दिनेश गुप्त
8 प्रयोगात्मक हिन्दी – डॉ. रामप्रकाश एवं डॉ. दिनेश गुप्त
9 भाषा : संरचना एवं प्रयोग – डॉ. रामप्रकाश एवं डॉ. दिनेश गुप्त
10 प्रयोगात्मक और प्रयोजनमूलक हिन्दी – डॉ. रामप्रकाश एवं डॉ. दिनेश गुप्त
11 मानक हिन्दी : संकल्पना और संरचना – डॉ. रामप्रकाश
12 मानक हिन्दी : स्वरूप और संरचना – डॉ. रामप्रकाश
13 हिन्दी की मानक वर्तनी – कैलाशचन्द्र भाटिया एवं रचना भाटिया

14 हिन्दी भाषा : स्वरूप और विकास – कैलाशचन्द्र भाटिया
15 सैद्धान्तिक एवं अनुप्रयुक्त भाषाविज्ञान – डॉ. रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
16 हिन्दी भाषा की आर्थी संरचना – डॉ. भोलानाथ तिवारी
17 हिन्दी भाषा की शब्द संरचना – डॉ. भोलानाथ तिवारी
18 हिन्दी भाषा की वाक्य संरचना – डॉ. भोलानाथ तिवारी
19 हिन्दी भाषा की रूप संरचना – डॉ. भोलानाथ तिवारी
20 हिन्दी भाषा की ध्वनि संरचना – डॉ. भोलानाथ तिवारी
21 हिन्दी भाषा की लिपि संरचना – डॉ. भोलानाथ तिवारी
22 हिन्दी भाषा की सन्धि संरचना – डॉ. भोलानाथ तिवारी
23 हिन्दी भाषा की सामाजिक संरचना – डॉ. भोलानाथ तिवारी
24 हिन्दी भाषा : संदर्भ और संरचना – डॉ. सूरजभान सिंह
25 हिन्दी का वाक्यात्मक व्याकरण – डॉ. सूरजभान सिंह
26 हिन्दी शिक्षण और भाषा विश्लेषण – डॉ. विजयराघव रेड्डी
27 हिन्दी भाषा–शिक्षण – डॉ. भोलानाथ तिवारी, डॉ. कैलाशचन्द्र भाटिया
28 हिन्दी भाषा और नागरी लिपि – डॉ. भोलानाथ तिवारी
29 अच्छी हिन्दी : कैसे बोलें, कैसे लिखें – डॉ. भोलानाथ तिवारी
30 अच्छी हिन्दी – डॉ. रामचन्द्र वर्मा
31 शुद्ध हिन्दी – डॉ. हरदेव बाहरी
32 देवनागरी विमर्श – संपा. डॉ. शैलेन्द्रकुमार शर्मा

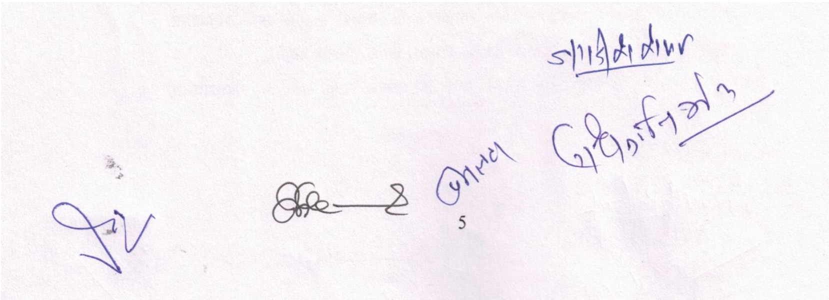

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन

मास्टर ऑफ़ आर्ट्स

कला संकाय

पाठ्यक्रम तथा अनुशंसित पुस्तकें

कार्यक्रम अधिगम परिणाम (LOCF)

एम.ए. हिन्दी

तृतीय सिमेस्टर

(सी.बी.सी.एस. पद्धति)

सत्र 2019–2020

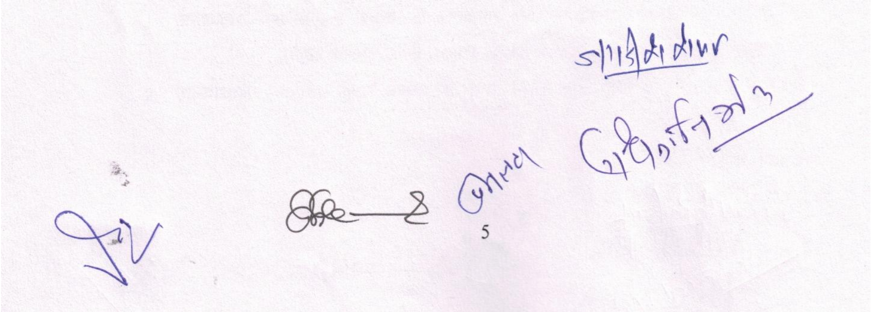

एम. ए. हिन्दी तृतीय सिमेस्टर
(सी.बी.सी.एस. पद्धति)
निर्धारित पाठ्यक्रम
सत्र 2019–2020

CCT – 07	-	आधुनिक हिन्दी काव्य और उसका इतिहास।
CCT – 08	-	भाषाविज्ञान एवं हिन्दी भाषा।
CCT – 09	-	विशिष्ट रचनाकार : सूरदास।
ECT – 03	-	(1) अनुवाद विज्ञान।
ECT – 03		(2) विशिष्ट रचनाकार : तुलसीदास।
ECT – 03	-	(3) विशिष्ट रचनाकार : जयशंकर प्रसाद ।
ECT – 03	-	(4) लोक–साहित्य।
ECT – 03	-	(5) जनपदीय भाषा और साहित्य–मालवी।
ECT – 03	-	(6) पत्रकारिता–प्रशिक्षण।
ECT – 03	-	(7) दृश्य–श्रव्य माध्यम लेखन।
EDC-3	-	Personality Development
P-3	-	Review
CVV- 3	-	Comprehensive viva-Voce (Virtual)

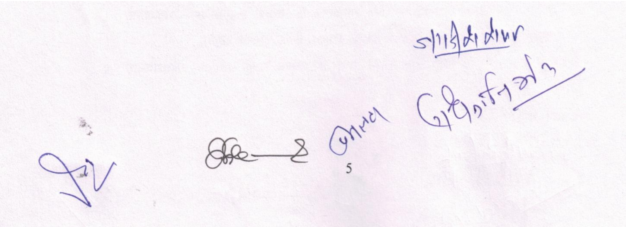

आधुनिक हिन्दी काव्य और CCT-07 उसका इतिहास

पूर्णांक – 60 अंक

कार्यक्रम अधिगम परिणाम (LOCF)-
पाठ्यक्रम के इस भाग का अधिगम निम्नवत् होगा–

- भारतेंदु युग से छायावाद तक के काल की सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक एवं सांस्कृतिक स्थितियों एवं परिवेश से विद्यार्थी परिचित हो सकेंगे।
- तत्कालीन राजनीति, सांस्कृतिक आंदोलनों एवं उनके साहित्यिक रूपान्तरण के बारे मेंजान सकेंगे।
- राष्ट्रीय नवजागरण के परिदृश्य से परिचित हो सकेंगे।
- ब्रजभाषा से क्रमशः खड़ी बोली के कविता भाषा बनन` और निखरने के इतिहास से परिचित हो सकेंग।
- छायावादी काव्य संवेदना और अभिव्यक्ति सौंदर्य से परिचित हो सकेंगे।

इकाई–1 **व्याख्यांश :** मैथिलीशरण गुप्त – साकेत का नवम सर्ग

इकाई–2 **व्याख्यांश :** जयशंकर प्रसाद–कामायनी (चिंता, श्रद्धा और इड़ा सर्ग)

इकाई–3 मैथिलीशरण गुप्त से संबंधित आलोचनात्मक प्रश्न।

इकाई–4 1 जयशंकर प्रसाद से संबंधित आलोचनात्मक प्रश्न।
2 आधुनिक हिन्दी काव्य (छायावाद तक) की प्रमुख प्रवृत्तियाँ, इतिहास एवं प्रमुख कवि।

इकाई–5 द्रुतपाठ – जगन्नाथ दास 'रत्नाकर', अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध,' महादेवी वर्मा और बालकृष्ण शर्मा 'नवीन' से संबंधित लघूत्तरीय प्रश्न

अंक–विभाजन
5 लघूत्तरीय प्रश्न 5 x 5 = 25 अंक
5 दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न 5 x 7 = 35 अंक
पूर्णांक = 60 अंक

निर्देश :–

(अ) **दीर्घ–उत्तरीय पाँच प्रश्नों में से इकाई एक से एक व्याख्यात्मक प्रश्न और इकाई दो से एक व्याख्यात्मक प्रश्न होगा (आंतरिक विकल्प सहित) तथा इकाई तीन से एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न और इकाई चार से दो दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न होंगे (आंतरिक विकल्प सहित)।**

(आ) **लघूत्तरीय प्रश्न इकाई पाँच के अतिरिक्त अन्य इकाइयों से भी पूछे जा सकते हैं।**

(इ) **लघूत्तरीय प्रश्नों की शब्द सीमा अधिकतम 100 शब्दों की तथा दीर्घ–उत्तरीय प्रश्नों की शब्द सीमा अधिकतम 800 शब्दों की होगी।**

सन्दर्भ ग्रन्थ

1 जयंशकर प्रसाद – रमेशचंद्र शाह ।
2 जयंशकर प्रसाद – नंददुलारे वाजपेयी।
3 प्रसाद का काव्य – डॉ. प्रेमशंकर।
4 कामायनी के अध्ययन की समस्याएँ – डॉ. नगेन्द्र।
5 कामायनी : एक पुनर्मूल्यांकन – गजानन माधव मुक्तिबोध।
6 आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ – डॉ. नामवर सिंह।
7 आधुनिक कविता यात्रा – डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी
8 छायावाद – नामवर सिंह।
9 छायावाद की प्रासंगिकता – रमेशचंद्र शाह।
10 कामायनी का पुनर्मूल्यांकन – डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी।
11 मैथिलीशरण – डॉ. नन्दकिशोर नवल।
12 मैथिलीशरण गुप्त – रेवतीरमण।

13 महादेवी वर्मा – डॉ. जगदीश गुप्त।
14 बालकृष्ण शर्मा 'नवीन' – डॉ. पवनकुमार मिश्र।
15 हरिऔध – मुकुन्देदव शर्मा।
16 पुनर्मूल्यांकन – डॉ. नन्दकिशोर नवल।
17 कामायनी भाष्य (दो खंड) – डॉ. उदयभानु सिंह।
18 प्रसाद–निराला–अज्ञेय–डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी।
19 साकेत : एक अध्ययन – डॉ. नगेन्द्र।

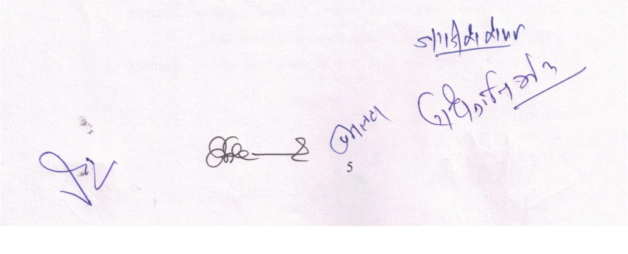

CCT-08

भाषाविज्ञान एवं हिन्दी भाषा

पूर्णांक – 60 अंक

कार्यक्रम अधिगम परिणाम (LOCF)-
पाठ्यक्रम के इस भाग का अधिगम निम्नवत् होगा–

- विद्यार्थियों को भाषा के स्वरूप और महत्त्व का ज्ञान प्राप्त होगा।
- विद्यार्थी भारत को एक सूत्र में बाँधनेवाली हिंदी भाषा की विविध बोलियों से परिचित हो सकेंगे।
- विद्यार्थियों को हिंदी भाषा की शारीरिक इकाइयों दृश्य, ध्वनि, शब्द, वाक्य आदि का ज्ञान प्राप्त हो सकेगा।
- हिंदी के अर्थ–विकास की जानकारी प्राप्त हो सकेगी।
- वैज्ञानिक और उपयोगी लिपि 'नागरी' का अपेक्षित ज्ञान प्राप्त होगा।

इकाई–1 भाषा और भाषाविज्ञान – भाषा की परिभाषा और अभिलक्षण, वाचिक और अवाचिक भाषा। भाषा–व्यवस्था और भाषा–व्यवहार, भाषा संरचना और भाषिक प्रकार्य, भाषाविज्ञानः स्वरूप एवं व्याप्ति, अध्ययन की दिशाएँ–वर्णनात्मक, ऐतिहासिक और तुलनात्मक।

इकाई–2 स्वन प्रक्रिया–स्वरूप और शाखाएँ, वाग्यंत्र और उनके कार्य, स्वनिम की अवधारणा–स्वनों का वर्गीकरण, स्वन गुण, स्वनिम–परिवर्तन।

इकाई–3 व्याकरण – रूपविज्ञान का स्वरूप, रूपिम की अवधारणा।
वाक्य की अवधारणा – वाक्य के भेद, वाक्य–विश्लेषण, निकटस्थ अवयव विश्लेषण, गहन संरचना और बाहय संरचना

इकाई–4 अर्थविज्ञान – अर्थ की अवधारणा। शब्द और अर्थ का सम्बन्ध। अर्थ प्राप्ति के साधन और अर्थ परिवर्तन।

इकाई–5 समाजभाषाविज्ञान, मनोभाषाविज्ञान, साहित्य के अध्ययन में भाषाविज्ञान की उपयोगिता।

अंक–विभाजन
5 लघूत्तरीय प्रश्न 5 x 5 = 25 अंक
5 दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न 5 x 7 = 35 अंक
पूर्णांक = 60 अंक

निर्देश :–

लघूत्तरीय प्रश्नों की शब्द सीमा अधिकतम 100 शब्दों की तथा दीर्घ–उत्तरीय प्रश्नों की शब्द सीमा अधिकतम 800 शब्दों की होगी।

सन्दर्भ ग्रंथ

1 भाषाविज्ञान की भूमिका–देवेन्द्रनाथ शर्मा
2 सामान्य भाषाविज्ञान – डॉ. बाबूराम सक्सेना।
3 भाषाविज्ञान – डॉ. भोलानाथ तिवारी।
4 भारतीय भाषाशास्त्रीय चिंतन – विद्यानिवास मिश्र।
5 भाषा और भाषिकी – डॉ. देवीशंकर द्विवेदी।

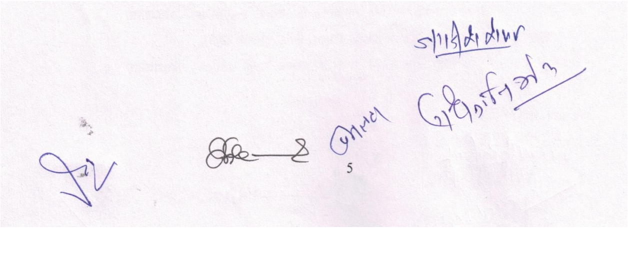

6 हिन्दी व्याकरण – कामताप्रसाद गुरु।
7 अर्थविज्ञान – ब्रजमोहन।
8 भाषाविज्ञान और भाषाशास्त्र – डॉ. कपिलदेव द्विवेदी।
9 भाषाविज्ञान : सैद्धांतिक चिंतन – डॉ. रवींद्रनाथ श्रीवास्तव।
10 भाषाविज्ञान – संपा. डॉ. राजमल बोरा।
11 ऐतिहासिक भाषाविज्ञान : सिद्धांत और व्यवहार – डॉ. जयकुमार 'जलज'।
12 अवाचिक भाषा – डॉ. गीता नायक

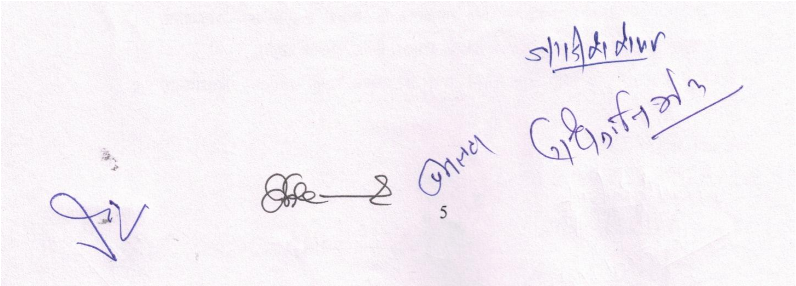

CCT-09

विशिष्ट रचनाकार : सूरदास

पूर्णांक – 60 अंक

कार्यक्रम अधिगम परिणाम (LOCF)-
पाठ्यक्रम के इस भाग का अधिगम निम्नवत् होगा–

- सूरदास और उनकी रचनाओं से वे परिचित हो सकेंगे।
- सूरदास के साहित्य का भावात्मक और राजसत्तात्मक प्रभाव ज्ञान प्राप्त होगा।
- सूरदास के सृजन के काव्य रूप का ज्ञान प्राप्त होगा।
- इससे साहित्य सृजन के आधार हिंदी भाषा और मौलिक स्वरूप का ज्ञान प्राप्त होगा।

इकाई–1 व्याख्यांश – सूरसागर सार : (संपादक) डॉ. धीरेंद्र वर्मा
1 विनय तथा भक्ति
2 गोकुल–लीला

इकाई–2 व्याख्यांश – सूरसागर सार : (संपादक) डॉ. धीरेंद्र वर्मा
1 वृन्दावन–लीला
2 राधाकृष्ण

इकाई–3 1 भक्तिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि एवं विविध काव्यधाराएँ।
2 सूरदास का जीवनवृत्त तथा रचनासंसार।

इकाई–4 सूरदास की भक्तिपद्धति, वात्सल्यवर्णन, श्रृंगारवर्णन, प्रकृतिचित्रण आदि से सम्बद्ध आलोचनात्मक प्रश्न।

इकाई–5 द्रुतपाठ – कुम्भनदास, कृष्णदास और परमानन्ददास।

अंक–विभाजन
5 लघूत्तरीय प्रश्न 5 x 5 = 25 अंक
5 दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न 5 x 7 = 35 अंक
पूर्णांक = 60 अंक

निर्देश :–

(अ) दीर्घ–उत्तरीय पाँच प्रश्नों में से इकाई एक से दो व्याख्यात्मक प्रश्न तथा इकाई दो से एक व्याख्यात्मक प्रश्न (आंतरिक विकल्प सहित) होगा तथा दो दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न तृतीय और चतुर्थ इकाई से संबद्ध होंगे (आंतरिक विकल्प सहित)।

(आ) लघूत्तरीय प्रश्न इकाई पाँच के अतिरिक्त अन्य इकाइयों से भी पूछे जा सकते हैं।

(इ) लघूत्तरीय प्रश्नों की शब्द सीमा अधिकतम 100 शब्दों की तथा दीर्घ–उत्तरीय प्रश्नों की शब्द सीमा अधिकतम 800 शब्दों की होगी।

संदर्भ ग्रंथ

1 सूरदास – पं. रामचन्द्र शुक्ल।
2 महाकवि सूरदास – पं. नन्ददुलारे वाजपेयी।
3 सूर और उनका साहित्य – डॉ. हरवंशलाल शर्मा।
4 सूरदास – संपा. डॉ. हरवंशलाल शर्मा।
5 सूर साहित्य – डॉ. हजारीप्रसाद द्विवेदी।
6 सूर निर्णय – प्रभुदयाल मीतल।
7 सूरदास – डॉ. ब्रजेश्वर वर्मा।
8 सूर विमर्श – राममूर्ति त्रिपाठी।
9 सूरदास – डॉ. मैनेजर पांडेय

ECT-03

(1) अनुवाद विज्ञान

पूर्णांक – 60 अंक

कार्यक्रम अधिगम परिणाम (LOCF)-
पाठ्यक्रम के इस भाग का अधिगम निम्नवत् होगा–

- अनुवाद की प्रयोजनीयता और प्रक्रिया की समझविकसित होगी।
- उनमें अच्छे अनुवादक बनने की इच्छा जागृत हो सकेगी।

इकाई–1 अनुवाद की परिभाषा, स्वरूप, क्षेत्र और सीमाएँ।

इकाई–2 अनुवाद कला, विज्ञान या शिल्प। अनुवाद की इकाई : शब्द, पदबन्ध, वाक्य, पाठ।

इकाई–3 अनुवाद की प्रक्रिया और प्रविधि : विश्लेषण, अन्तरण, पुनर्गठन। अनुवाद प्रक्रिया के विभिन्न चरण, स्रोत भाषा के पाठ का विश्लेषण एवं उसके अर्थग्रहण की प्रक्रिया, स्रोत भाषा और लक्ष्य भाषा की तुलना।

इकाई–4 अनुवाद के क्षेत्र एवं प्रकार – कार्यालयीन, वैज्ञानिक एवं तकनीकी, साहित्यिक, मानविकी, संचार माध्यम, विज्ञापन आदि।

इकाई–5 अनुवाद की समस्याएँ : सृजनात्मक अथवा साहित्यिक अनुवाद की समस्याएँ, कार्यालयीन अनुवाद की समस्याएँ, वैज्ञानिक एवं तकनीकी साहित्य के अनुवाद की समस्याएँ। कोष एवं पारिभाषिक शब्दावली के निर्माण की समस्याएँ। मीडिया क्षेत्र के अनुवाद की समस्याएँ। विज्ञापन के अनुवाद की समस्याएँ।

अंक–विभाजन
5 लघूत्तरीय प्रश्न 5 x 5 = 25 अंक
5 दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न 5 x 7 = 35 अंक
पूर्णांक = 60 अंक

निर्देश :–

लघूत्तरीय प्रश्नों की शब्द सीमा अधिकतम 100 शब्दों की तथा दीर्घ–उत्तरीय प्रश्नों की शब्द सीमा अधिकतम 800 शब्दों की होगी।

संदर्भ ग्रंथ

1 अनुवाद क्या है – डॉ. भ.ह. राजूरकर।
2 अनुवाद विज्ञान – डॉ. भोलानाथ तिवारी।
3 अनुवाद कला : कुछ विचार–बियाणी एवं देवप्रकाश।
4 संस्कृत नाटकों के हिन्दी अनुवाद – डॉ. देवेन्द्रकुमार।
5 अनुवाद का भाषिक सिद्धांत – रविशंकर दीक्षित।
6 अनुवाद सिद्धांत की रूपरेखा – डॉ. सुरेशकुमार।
7 अनुवाद : भाषाएँ, समस्याएँ –एन.ई. विश्वनाथ अय्यर।
8 वैज्ञानिक साहित्य के अनुवाद की समस्याएँ – डॉ. भोलानाथ तिवारी।
9 सृजनात्मक साहित्य का अनुवाद : स्वरूप एवं समस्याएँ – डॉ. सुरेश सिंहल।
10 काव्यानुवाद की समस्याएँ – डॉ भोलानाथ तिवारी ।
11 कार्यालयीन अनुवाद की समस्याएँ – डॉ भोलानाथ तिवारी।

12 विदेशी भाषाओं से हिन्दी अनुवाद की समस्याएँ – डॉ भोलानाथ तिवारी।

13 भारतीय भाषाओं से हिन्दी अनुवाद की समस्याएँ – डॉ भोलानाथ तिवारी।

14 अनुवाद कला – डॉ भोलानाथ तिवारी।

15 पत्रकारिता में अनुवाद की समस्याएँ – डॉ भोलानाथ तिवारी।

16 अनुवाद कला : सिद्धांत और प्रयोग – कैलाशचन्द्र भाटिया।

17 भारतीय भाषाएँ और हिन्दी अनुवादः समस्याएँ और समाधान – (संपा.) कैलाशचन्द्र भाटिया।

18 अनुवाद विज्ञान – (संपा.) डॉ. नगेन्द्र।

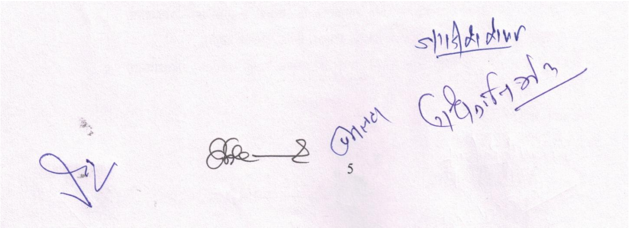

ECT- 03

(2) विशिष्ट रचनाकार : तुलसीदास

पूर्णांक – 60 अंक

कार्यक्रम अधिगम परिणाम (LOCF)-
पाठ्यक्रम के इस भाग का अधिगम निम्नवत् होगा–

- तुलसीदास और उनकी रचनाओं से वे परिचित हो सकेंगे।
- तुलसीदास के साहित्य का भावात्मक और राजसत्तात्मक प्रभाव ज्ञान प्राप्त होगा।
- तुलसीदास के सृजन के काव्य रूप का ज्ञान प्राप्त होगा।
- इससे साहित्य सृजन के आधार हिंदी भाषा और मौलिक स्वरूप का ज्ञान प्राप्त होगा।

इकाई–1 **व्याख्यांश –**
रामचरितमानस : बालकाण्ड, (गीताप्रेस, गोरखपुर से प्रकाशित संस्करण)

इकाई–2 **व्याख्यांश –**
रामचरितमानस : अयोध्याकाण्ड (गीताप्रेस, गोरखपुर से प्रकाशित संस्करण)

इकाई–3 1 भक्तिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि एवं विविध काव्यधाराएँ
2 तुलसीदास का जीवनवृत्त तथा रचनासंसार

इकाई–4 रामचरितमानस की प्रबन्धयोजना, रसनिरूपण, समन्वयवाद, मानस का काव्यसौन्दर्य आदि से सम्बद्ध आलोचनात्मक प्रश्न।

इकाई–5 द्रुतपाठ – दोहावली, पार्वतीमंगल, जानकीमंगल।

अंक–विभाजन
5 लघूत्तरीय प्रश्न 5 x 5 = 25 अंक
5 दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न 5 x 7 = 35 अंक
पूर्णांक = 60 अंक

निर्देश :–

(अ) **दीर्घ–उत्तरीय पाँच प्रश्नों में से इकाई एक से दो व्याख्यात्मक प्रश्न तथा इकाई दो से एक व्याख्यात्मक प्रश्न (आंतरिक विकल्प सहित) होगा तथा दो दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न तृतीय और चतुर्थ इकाई से संबद्ध होंगे (आंतरिक विकल्प सहित)।**

(आ) **लघूत्तरीय प्रश्न इकाई पाँच के अतिरिक्त अन्य इकाइयों से भी पूछे जा सकते हैं।**

(इ) **लघूत्तरीय प्रश्नों की शब्द सीमा अधिकतम 100 शब्दों की तथा दीर्घ–उत्तरीय प्रश्नों की शब्द सीमा अधिकतम 800 शब्दों की होगी।**

संदर्भ ग्रंथ

1 गोस्वामी तुलसीदास – आचार्य रामचंद्र शुक्ल।
2 तुलसी काव्य मीमांसा – डॉ. उदयभानु सिंह।
3 तुलसी दर्शन – डॉ. बलदेवप्रसाद मिश्र।
4 तुलसीदास और उनका युग – डॉ. राजपति दीक्षित।
5 तुलसीदास – डॉ. माताप्रसाद गुप्त।
6 तुलसी की रामकथा – डॉ. बलदेवप्रसाद मिश्र।
7 तुलसीदास : आधुनिक परिप्रेक्ष्य में – डॉ. गोपीनाथ तिवारी।
8 तुलसीमंजरी – डॉ. विद्यानिवास मिश्र

9 रामायण का काव्यमर्म – डॉ. विद्यानिवास मिश्र

10 गोस्वामी तुलसीदास – डॉ. रामजी तिवारी

11 तुलसी : संदर्भ और दृष्टि – सं. केशवप्रसादसिंह और डॉ. वासुदेवसिंह।

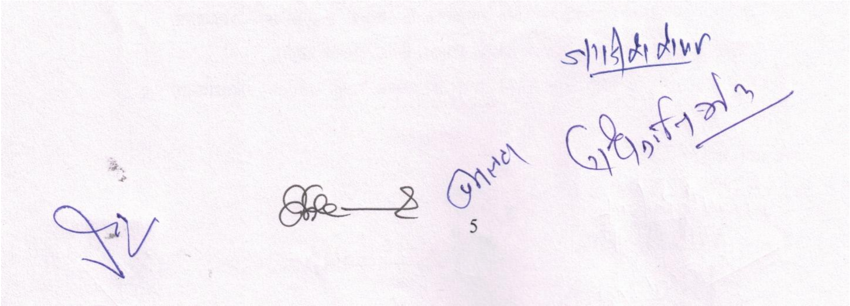

ECT-03

(3) विशिष्ट रचनाकार : जयशंकर प्रसाद

पूर्णांक – 60 अंक

कार्यक्रम अधिगम परिणाम (LOCF)-
पाठ्यक्रम के इस भाग का अधिगम निम्नवत् होगा–

- जयशंकर प्रसाद और उनकी रचनाओं से वे परिचित हो सकेंगे।
- जयशंकर प्रसाद के साहित्य का भावात्मक और राजसत्तात्मक प्रभाव ज्ञान प्राप्त होगा।
- जयशंकर प्रसाद के सृजन के काव्य रूप का ज्ञान प्राप्त होगा।
- इससे साहित्य सृजन के आधार हिंदी भाषा और मौलिक स्वरूप का ज्ञान प्राप्त होगा।

इकाई–1	**व्याख्यांश – कंकाल**
इकाई–2	**व्याख्यांश** – कहानियाँ – आकाशदीप, ममता और गुंडा।
इकाई–3	1 जयशंकर प्रसाद का जीवनवृत्त, रचनासंसार और युगीन परिवेश। 2 जयशंकर प्रसाद की निर्धारित कहानियों से सम्बद्ध आलोचनात्मक प्रश्न।
इकाई–4	1 कंकाल से सम्बद्ध आलोचनात्मक प्रश्न। 2 हिन्दी उपन्यास तथा कहानी की परम्परा और जयंशकर प्रसाद।
इकाई–5	द्रुतपाठ – प्रेमचन्द, सुदर्शन, वृन्दावनलाल वर्मा, अमृतलाल नागर।

अंक–विभाजन
5 लघूत्तरीय प्रश्न 5 x 5 = 25 अंक
5 दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न 5 x 7 = 35 अंक
पूर्णांक = 60 अंक

निर्देश :–

(अ) **दीर्घ–उत्तरीय पाँच प्रश्नों में से इकाई एक से दो व्याख्यात्मक प्रश्न तथा इकाई दो से एक व्याख्यात्मक प्रश्न (आंतरिक विकल्प सहित) होगा तथा दो दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न तृतीय और चतुर्थ इकाई से संबद्ध होंगे (आंतरिक विकल्प सहित)।**

(आ) **लघूत्तरीय प्रश्न इकाई पाँच के अतिरिक्त अन्य इकाइयों से भी पूछे जा सकते हैं।**

(इ) **लघूत्तरीय प्रश्नों की शब्द सीमा अधिकतम 100 शब्दों की तथा दीर्घ–उत्तरीय प्रश्नों की शब्द सीमा अधिकतम 800 शब्दों की होगी।**

संदर्भ ग्रंथ

1 जयशंकर प्रसाद – आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी।
2 जयशंकर प्रसाद – रमेशचन्द्र शाह।
3 प्रसाद का काव्य – डॉ. प्रेमशंकर।
4 प्रसाद–निराला–अज्ञेय – डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी।
5 हिन्दी उपन्यास का विकास – मधुरेश।
6 हिन्दी कहानी का विकास – मधुरेश।

ECT-03

(4) लोक साहित्य

पूर्णांक – 60 अंक

कार्यक्रम अधिगम परिणाम (LOCF)-
पाठ्यक्रम के इस भाग का अधिगम निम्नवत् होगा–

- विद्यार्थी वर्तमान वैश्वीकरण के युग में अपने अंचल विशेष के प्रभावी रूप से लके र वैश्विक संदर्भ से जुड़ सकेंग।
- विद्यार्थियों को लोक साहित्य की भाव गंभीरता,सांस्कृतिक रूप और सहज अभिव्यक्ति का परिचय प्राप्त हो सकेगा।

इकाई – 1 लोक और लोक–वार्ता और लोक–विज्ञान। लोक–संस्कृतिः अवधारणा, लोक–वार्ता और लोक–संस्कृति, लोक–संस्कृति और साहित्य

इकाई – 2 लोक–साहित्य : अवधारणा, संस्कृत वाङ्मय में लोकोन्मुखता।

इकाई – 3 हिन्दी के आरम्भिक साहित्य में लोकतत्त्व, वर्तमान आभिजात साहित्य और लोक–साहित्य का अन्तःसंबंध। लोक–साहित्य का अन्य सामाजिक विज्ञानों से संबंध।

इकाई – 4 भारत में लोक–साहित्य के अध्ययन का इतिहास।
हिन्दी लोक–साहित्य के विशिष्ट अध्येता। लोक–साहित्य की अध्ययन–प्रक्रिया एवं संकलन की समस्याएँ।

इकाई – 5 लोक–साहित्य के प्रमुख रूपों का वर्गीकरण
लोकगीतः संस्कार–गीत, व्रत–गीत, श्रम–गीत, ऋतु–गीत, जाति–गीत।

अंक–विभाजन
5 लघूत्तरीय प्रश्न 5 x 5 = 25 अंक
5 दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न 5 x 7 = 35 अंक
पूर्णांक = 60 अंक

निर्देश :–

लघूत्तरीय प्रश्नों की शब्द सीमा अधिकतम 100 शब्दों की तथा दीर्घ–उत्तरीय प्रश्नों की शब्द सीमा अधिकतम 800 शब्दों की होगी।

संदर्भ ग्रंथ

1 प्रामाणिक मालवी हिन्दी कोश – डॉ. प्रह्लादचन्द्र जोशी।
2 मालवी लोककथाएँ – डॉ. प्रह्लादचन्द्र जोशी।
3 मालवी और उप बोलियों का व्याकरण
4 लोक–साहित्य विज्ञान – डॉ. सत्येन्द्र।
5 लोक–साहित्य की भूमिका – डॉ. कृष्णदेव उपाध्याय।
6 लोक–साहित्य और संस्कृति – डॉ. दिनेश्वर प्रसाद।

7 लोक–साहित्य विमर्श – डॉ. श्याम परमार।
8 लोक–संस्कृति की रूपरेखा – डॉ. कृष्णदेव उपाध्याय।
9 मालवी लोकगीत : एक विवेचनात्मक अध्ययन – डॉ. चिन्तामणि उपाध्याय
10 लोकायन – डॉ. चिंतामणि उपाध्याय
11 मालवी और उसका साहित्य–डॉ. श्याम परमार
12 मालवी की उत्पति और विकास – डॉ. बंशीधर
13 सोंधवाड़ी साहित्य, संस्कृति और व्याकरण–डॉ. प्रह्लादचन्द्र जोशी, संपा. डॉ. शैलेन्द्रकुमार शर्मा
14 लोक साहित्य विमर्श – डॉ. श्याम परमार।
15 मालवी लोकगीत – संकलन–टीकमचन्द्र भावसार, संपा. भगवतीलाल राजपुरोहित
16 लोक और लोक का स्वर –डॉ. विद्यानिवास मिश्र
17 मध्यप्रदेश का लोक नाट्य माच – डॉ. शिवकुमार मधुर
18 लोक भाषा और साहित्य –डॉ. भगवतीलाल राजपुरोहित
19 मालवी संस्कृति और साहित्य –डॉ. भगवतीलाल राजपुरोहित
20 चितरावनः मध्य प्रदेश के मालवा जनपद की चित्रकला –डॉ. भगवतीलाल राजपुरोहित
21 मालवा का लोकनाट्य माच और अन्य विधाएँ – सम्पा. डॉ. शैलेंद्रकुमार शर्मा
22 मालवसुत पं. सूर्यनारायण व्यास – (संपा) डॉ. हरीश निगम, डॉ. शैलेंद्रकुमार शर्मा, डॉ. हरीश प्रधान
23 अवन्ती क्षेत्र और सिंहस्थ महापर्व : – (संपा) डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी, डॉ. भगवतीलाल राजपुरोहित, डॉ. शिव चौरसिया, डॉ. शैलेंद्रकुमार शर्मा
24 मालवी री मिठास – नन्दकिशोर सोनी, (संपा) डॉ. शैलेंद्रकुमार शर्मा
25 ऊदल दातार लोक देवता देवनारायण – डॉ. पूरन सहगल
26 मालवी लोक साहित्य में उपलब्ध विरद बखान और गाथासाहित्य – डॉ. पूरन सहगल
27 लोक देवता जून कुँवर –डॉ. पूरन सहगल
28 लागी सबद कटार (मालवी का दोहा) – (संपा) डॉ. पूरन सहगल
29 रामानन्द परम्परा के उ्गायक संत पीपाजी – ललित शर्मा
30 मालवी साहित्य का इतिहास –डॉ. श्यामसुंदर निगम, (संपा) डॉ. देवेन्द्र दीपक
31 निमाड़ी साहित्य का इतिहास– डॉ. श्रीराम परिहार, (संपा) डॉ. देवेन्द्र दीपक
32 मालवी कहावत कोश – डॉ. निर्मला राजपुरोहित
33 मालवा के इतिहास एवं संस्कृति के कतिपय पहलू –डॉ. श्यामसुंदर निगम
34 मालवी लोक गीतों की अन्तर्चेतना –डॉ. शशि निगम
35 अनादि उज्जयिनी (तीन खण्ड) – डॉ. रमेश निर्मल
36 मालवांचल के कवि (दो भाग) – डॉ. श्यामसुंदर व्यास, सतीश दुबे
37 चंदन चौक – (संपा) डॉ. विद्यानिवास मिश्र
38 हिंदी की जनपदीय कविता – डॉ. विद्यानिवास मिश्र
39 वीणा, मालवी अंक पूर्वार्द्ध , सित – अक्टू. 1971
40 राउलवेल और प्राचीन मालवी काव्यधारा – संपा. डॉ. भगवतीलाल राजपुरोहित और डॉ. शैलेन्द्रकुमार शर्मा
41 मालवी भाषा और साहित्य – (संपा) डॉ. शैलेंद्रकुमार शर्मा
42 मालवा उपन्यासों में जन–जीवन – डॉ. प्रतिभा सक्सेना

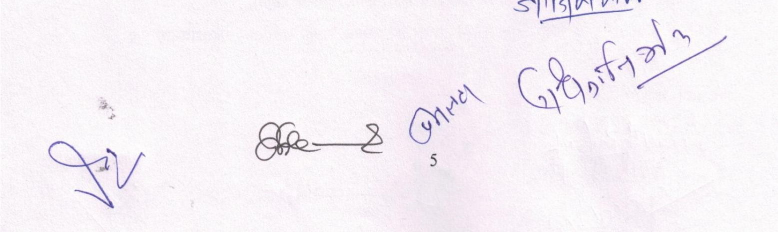

ECT- 03

(5) जनपदीय भाषा और साहित्य – मालवी

पूर्णांक – 60 अंक

कार्यक्रम अधिगम परिणाम (LOCF)-
पाठ्यक्रम के इस भाग का अधिगम निम्नवत् होगा–

- विद्यार्थी वर्तमान वैश्वीकरण के युग में अपने अंचल विशेष के प्रभावी रूप से लके र वैश्विक संदर्भ से जुड़ सकेंग।
- विद्यार्थियों को लोक साहित्य की भाव गंभीरता,सांस्कृतिक रूप और सहज अभिव्यक्ति का परिचय प्राप्त हो सकेगा।

इकाई–1 **व्याख्यांश –**

1 संत पीपा जी : – महायोगी वैष्णव संत श्री पीपाजी, संपाः–राजेंद्रदास
दोहा क्र. 1 से 5, 21 से 26, 35 से 40, 45 से 52 55 से 65 पद क्र. 5 संतो भरम काहूँ सौं कहिए, पद क्र. 11 मन आप दर साया, पद क्र. 13 तैं प्रभु मो सूं बहुत करी , पद क्र. 16 मन रे कहा भूलो मति हीना, पद क्र. 19 प्रीति की रीति अनोखी जाना, पद क्र. 21 साधो ब्रह्म अलख लखाया, क्र. 24 संतो एक राम सब पांही।

2 संत सिंगाजी :– कहे जन सिंगा, संकलन एवं अनुवाद डॉ. श्रीराम परिहार, सम्पा, कपिल तिवारी, नवल शुक्ल साखी क्र. 7, 8, 9, 11, 12, 15
भजन : म्हारा गुरू के चरण हैं गंगा (पृ.2), सतगुंरु सबदा हेरी (पृ. 7) गुरू को सबद हम जाणा राणीजी (पृ.17), ऐसो जंत्र बजायो मन रे (पृ. 34), सुरत सावला साहेब मेरा (पृ. 49), नहीं मरना नहीं जीना (पृ. 62), मैं क्या करू गरीब बिचारा (पृ. 88) दृढ़ उपदेश क्र. 2, 6, 9, 11, 13, 29,

3 आनंदराव दुबे–रामजी रईग्या ने रेल जाती री, सम्पा. नरहरि पटेल रामाजी रईग्या ने रेल जाती री, कलम–कलम, चेतावनी, बसन्तया की बरसात, हूँ जाणूँ की वा जाणे।

इकाई–2 **व्याख्यांश –**

1 हरीश निगम – 'अपरंच', सम्पा. डॉ. शैलेंद्रकुमार शर्मा महाकवि कालिदास के नाम पाती, सासूजी के नाम पाती, पगार को बगार
हिरना सांवली' काव्य संग्रह से –
अइजा मन मीत रे, आयो रे चोमासो आयो, चाली रे हवा बसंती

2 बालकवि बैरागी :– 'चटख म्हारा चम्पा'
बादरवा अईग्या, नवोधन, कोयल ती, नणदल, बणजारा

3 भावसार बा :– 'मोती वेराणा'

बरसे बादली जी, फागण आयो रे, आणे नी आया ओ भरतार, गई भैंस पाणी में, रेल और जेल

इकाई–3 संत पीपा जी, संत सिंगाजी और आनंदराव दुबे से संबंधित आलोचनात्मक प्रश्न।

इकाई–4 1 हरीश निगम, बालकवि बैरागी और भावसार बा से संबंधित आलोचनात्मक प्रश्न।

2 मालवी भाषा का इतिहास ।

इकाई–5 द्रुत पाठ

1 रोड़ कवि – 'राउलवेल और प्राचीन मालवी काव्यधारा
सम्पा. डॉ. भगवतीलाल राजपुरोहित और डॉ. शैलेन्द्रकुमार शर्मा
रोड़ कवि रचित 'राउलवेल'

2 चंद्रसखी – 'लोक की भक्ति', सम्पा. कपिल तिवारी संकलन एवं अनुवाद – डॉ. पूरन सहगल
चाम्बल कनारे म्हारो गाम (पृष्ठ 454)
राखी रो डोरो (पृष्ठ 459)
क्रसन कन्हैया म्हारा नाथ (पृष्ठ 472)
म्हारो संग नाचो जी (पृष्ठ 475)
कन्हैया थे म्हारा कारजा की कोर (पृष्ठ 487)
नी रेवूं मालवे देस (पृष्ठ 502)
कन्हैया मूँ किसतर करूँ बिसास (पृष्ठ 513)
कानूड़ा म्हारे हिरदे लागी फाँस (पृष्ठ 517)
कन्हैया म्हारी सुण लो एक पुकार (पृष्ठ 523)
म्हारो भीतर छे गोकुल बरसानो (पृष्ठ 544)

3 सुन्दर (कवयित्री) 'तक–तक करे सिकार' संपा. डॉ. पूरन सहगल
दोहा क्र. – 1 से 20

3 अफजल साहब 'अमर सागर' खण्ड एक. सकंलन/अनुवाद – बाबूलाल सेन, संपा. कपिल तिवारी, नवल शुक्ल
गुरु को अंग दोहा क्र. – 81 से 90
मन को अंग दोहा क्र. – 1 से 5
सपनन्तरी अंग दोहा क्र. – 1 से 10

अंक–विभाजन
5 लघूत्तरीय प्रश्न 5 x 5 = 25 अंक
5 दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न 5 x 7 = 35 अंक
पूर्णांक = 60 अंक

निर्देश :–

(अ) दीर्घ–उत्तरीय पाँच प्रश्नों में से इकाई एक से दो व्याख्यात्मक प्रश्न तथा इकाई दो से एक व्याख्यात्मक प्रश्न (आंतरिक विकल्प सहित) होगा तथा दो दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न तृतीय और चतुर्थ इकाई से संबद्ध होंगे (आंतरिक विकल्प सहित)।

(आ) लघूत्तरीय प्रश्न इकाई पाँच के अतिरिक्त अन्य इकाइयों से भी पूछे जा सकते हैं।

(इ) लघूत्तरीय प्रश्नों की शब्द सीमा अधिकतम 100 शब्दों की तथा दीर्घ–उत्तरीय प्रश्नों की शब्द सीमा अधिकतम 800 शब्दों की होगी।

संदर्भ ग्रंथ

1 मालवी एक भाषा–शास्त्रीय अध्ययन – डॉ. चिन्तामणि उपाध्याय

2 मालवी लोकगीत : एक विवेचनात्मक अध्ययन – डॉ. चिन्तामणि उपाध्याय

3 लोकायन – डॉ. चिन्तामणि उपाध्याय

4 राजस्थानी भाषा – सुनीतिकुमार चाटुर्ज्या

5 राजस्थानी भाषा और साहित्य– मोतीलाल मेनारिया

6 भीली भाषा, साहित्य और संस्कृति – डॉ. नेमिचन्द्र जैन

7 निमाड़ी और उसका साहित्य – डॉ. कृष्णलाल हंस

8 लोकधर्मी नाट्य–परम्परा – डॉ. श्याम परमार

9 मालवी और उसका साहित्य – डॉ. श्याम परमार

10 मालवा की लोक कथाएँ – डॉ. श्याम परमार

11 मालवी लोक–साहित्य – डॉ. श्याम परमार

12 मालवी लोकगीत–संकलन : टीकमचन्द भावसार, (संपा.) डॉ. भगवतीलाल राजपुरोहित

13 राजयोगी भरथरी– सिद्धेश्वर सेन,

14 हिन्दी साहित्य का बृहत् इतिहास (भाग 16) : हिन्दी का लोक साहित्य, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी

15 मालवी भाषा और साहित्य – (संपा) डॉ. शैलेंद्रकुमार शर्मा

16 लोक–साहित्य की भूमिका – डॉ. कृष्णदेव उपाध्याय

17 मालवी की उत्पति और विकास – डॉ. बंशीधर

18 मालवा के लोकगीत – डॉ. परमेश्वरदत्त शर्मा

19 'गजरो' – सम्पा. मोहन सोनी, शिव चौरसिया

20 मालवी और उपबोलियों का व्याकरण – डॉ. प्रह्लादचन्द्र जोशी

21 मालवी स्वयं शिक्षक – डॉ. प्रह्लादचन्द्र जोशी

22 हरियाले आँचल का हरकारा : हरीश निगम – (संपा.) डॉ. शैलेन्द्रकुमार शर्मा

23 सोंधवाड़ी साहित्य, संस्कृति और व्याकरण–डॉ. प्रह्लादचन्द्र जोशी,(संपा.) डॉ. शैलेन्द्रकुमार शर्मा

24 मालवी कविताएँ (भाग 1) – (संपा.) डॉ. श्याम परमार

25 लोक और लोक का स्वर – डॉ. विद्यानिवास मिश्र

26 मध्यप्रदेश का लोक नाट्य माच – डॉ. शिवकुमार मधुर

27 लोक भाषा और साहित्य – डॉ. भगवतीलाल राजपुरोहित

28 मालवी संस्कृति और साहित्य – डॉ. भगवतीलाल राजपुरोहित

29 चितरावन : मध्य प्रदेश के मालवा जनपद की चित्रकला– डॉ.भगवतीलाल राजपुरोहित

30 मालवा का लोकनाट्य माच और अन्य विधाएँ– (संपा.) डॉ. शैलेंद्रकुमार शर्मा

31 मालव सुत पं. सूर्यनारायण व्यास–(संपा.) डॉ. हरीश निगम, डॉ. शैलेंद्रकुमार शर्मा, डॉ. हरीश प्रधान

32 अवन्ती क्षेत्र और सिंहस्थ महापर्व – (संपा.) डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी, डॉ. श्यामसुन्दर निगम डॉ. भगवतीलाल राजपुरोहित, डॉ. शिव चौरसिया और डॉ. शैलेंद्रकुमार शर्मा

33 मालवी री मिठास – नन्दकिशोर सोनी, (संपा.) डॉ. शैलेंद्रकुमार शर्मा

34 ऊदल दातार लोक देवता देवनारायण – डॉ. पूरन सहगल

35 मालवी लोक साहित्य में उपलब्ध विरद बखान और गाथा साहित्य – डॉ. पूरन सहगल

36 लोक देवता जूण कुँवर – डॉ. पूरन सहगल

37 लागी सबद कटार (मालवी का दोहा) – (संपा.) डॉ. पूरन सहगल

38 रामानन्द परम्परा के उद्गायक संत पापजी – ललित शर्मा

39 मालवी साहित्य का इतिहास – डॉ. श्यामसुंदर निगम, (संपा.) डॉ. देवेन्द्र दीपक

40 निमाड़ी साहित्य का इतिहास – डॉ. श्रीराम परिहार(संपा.) डॉ. देवेन्द्र दीपक

41 मालवी कहावत कोश – डॉ. निर्मला राजपुरोहित

42 मालवा के इतिहास एवं संस्कृति के कतिपय पहलू – डॉ. श्यामसुंदर निगम

43 मालवी लोक गीतों की अन्तर्चेतना – डॉ. शशि निगम

44 अनादि उज्जयिनी (तीन खण्डं) – डॉ. रमेश निर्मल

45 चंदन चौक – (संपा.) डॉ. विद्यानिवास मिश्र

46 हिंदी की जनपदीय कविता – डॉ. विद्यानिवास मिश्र

47 वीणा, मालवी अंक (पूर्वार्ध और उत्तरार्ध) सित.–अक्टू. 1971

48 मालवा उपन्यासों में जन–जीवन – डॉ. प्रतिभा सक्सेना

ECT- 03

(6) पत्रकारिता प्रशिक्षण

पूर्णांक – 60 अंक

कार्यक्रम अधिगम परिणाम (LOCF)-
पाठ्यक्रम के इस भाग का अधिगम निम्नवत् होगा–

1. विद्यार्थी पत्रकारिता प्रशिक्षण के विभिन्न माध्यमों से परिचित हो सकेंगे।
2. पत्रकारिता प्रशिक्षण के उपयोग क्षेत्र से परिचित हो सकेंगे।
3. पत्रकारिता प्रशिक्षण के व्यावसायिक उपयोग को समझ सकेंगे।
4. विद्यार्थी संस्कृतिक कर्म की दृष्टि पत्रकारिता प्रशिक्षण का उपयोग करना सीख सकेंगे।

इकाई–1 पत्रकारिता का स्वरूप और प्रमुख प्रकार

इकाई–2 विश्व पत्रकारिता का उदय, भारत में पत्रकारिता का आरम्भ।

हिन्दी पत्रकारिता का उद्भव और विकास।

इकाई–3 समाचार पत्रकारिता के मूलतत्त्व–समाचार–संकलन तथा लेखन के मुख्य आयाम।

संपादन–कला के सामान्य सिद्धांत–शीर्षकीकरण, पृष्ठ–विन्यास, आमुख और समाचार–पत्रों की प्रस्तुति– प्रक्रिया।

इकाई–4 समाचार–पत्रों के विभिन्न स्तंभों की योजना।

दृश्य सामग्री (कार्टून, रेखाचित्र, ग्रैफिक्स) की व्यवस्था और फोटो–पत्रकारिता।

इकाई–5 समाचार के विभिन्न स्रोत।

संवाददाता की अर्हता, श्रेणी एवं कार्यपद्धति।

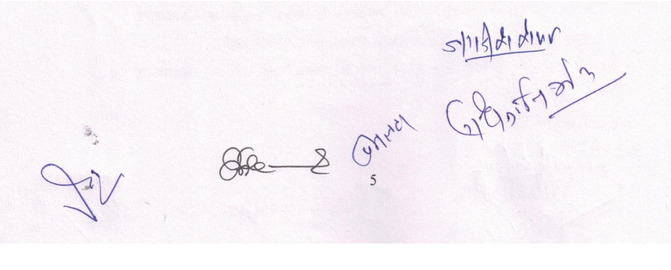

अंक–विभाजन

5 लघूत्तरीय प्रश्न 5 x 5 = 25 अंक
5 दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न 5 x 7 = 35 अंक
पूर्णांक = 60 अंक

निर्देश :–

लघूत्तरीय प्रश्नों की शब्द सीमा अधिकतम 100 शब्दों की तथा दीर्घ–उत्तरीय प्रश्नों की शब्द सीमा अधिकतम 800 शब्दों की होगी।

संदर्भ ग्रंथ

1 आधुनिक पत्रकार कला–रा.टा. खण्डेलकर ।

2 भारतीय पत्रकार कला–रेलिण्ड ब्रुसले।

3 पत्र और पत्रकार–पुरुषोतमदास टण्डन और कमलापति त्रिपाठी।

4 हिन्दी पत्रकारिता–डॉ.कृष्णबिहारी मिश्र।

5 समाचार–पत्रों का इतिहास–पं. अम्बिकाप्रसाद वाजपेयी।

6 पत्र सम्पादन कला–नन्दकुमार शर्मा।

7 भारतीय पत्रकार कला का इतिहास–श्रीमती बेनिस।

8 समाचार–पत्र कला–पं. अम्बिकाप्रसाद वाजपेयी।

9 सम्पादन कला – के.पी. नारायण।

10 हिन्दी समाचार–पत्रों का इतिहास – अनन्तबिहारी माथुर।

11 हिन्दी समाचार–पत्रों का संगठन एवं प्रबंध – डॉ. सुकुमार जैन

12 मुद्रण प्रवेश और कम्पोज कला–गोपीवल्लभ उपाध्याय।

13 मुद्रण परिचय–प्रफुल्लचंद्र ओझा, बिहार हिन्दी ग्रंथ अकादमी, पटना।

14 हिन्दी पत्रकारिता के विभिन्न आयाम – डॉ. वेदप्रताप वैदिक।

15 मध्यप्रदेश में हिन्दी पत्रकारिता का इतिहास–विजयदत्त श्रीधर

ECT - 03

(7) दृश्य–श्रव्य माध्यम लेखन

पूर्णांक – 60 अंक

कार्यक्रम अधिगम परिणाम (LOCF)-
पाठ्यक्रम के इस भाग का अधिगम निम्नवत् होगा–

- दृश्य–श्रव्य माध्यम लेखन के प्रति उनकी अभिरुचि विकसित होगी। मीडिया उद्योग में वे अच्छे लेखक बन सकेंगे।
- समाचार लेखन में अभिरुचि विकसित होगी । रोज़गार की दृष्टि से मीडिया के क्षेत्र में संभावनाएँ बढ़ेंगी।
- छात्र मीडिया के लिए महत्वपूर्ण व्यक्तियों के साक्षात्कार लेने में सक्षम हो सकेंगे।

इकाई–1 माध्यमोपयोगी लेखन का स्वरूप और प्रमुख प्रकार।
इकाई–2 रेडियो नाटकों का इतिहास, पाठ्य नाटक और रेडियो नाटक का अन्तर।
इकाई–3 टी.वी. नाटक की तकनीक।
इकाई–4 साहित्यिक विधाओं की दृश्य–श्रव्य रूपांतरण–कला।
इकाई–5 संचार माध्यमों की वर्तमान समय में सम्भावनाएँ एवं चुनौतियाँ।

अंक–विभाजन
5 लघूत्तरीय प्रश्न 5 x 5 = 25 अंक
5 दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न 5 x 7 = 35 अंक
पूर्णांक = 60 अंक

निर्देश :–

लघूत्तरीय प्रश्नों की शब्द सीमा अधिकतम 100 शब्दों की तथा दीर्घ–उत्तरीय प्रश्नों की शब्द सीमा अधिकतम 800 शब्दों की होगी।

सन्दर्भ ग्रन्थ –

1 रेडियो लेखन–मधुकर गंगाधर।
2 पटकथा लेखन : एक परिचय – डॉ. मनोहरश्याम जोशी।
3 टेलीविजन लेखन – असगर वजाहत एवं प्रभात रंजन।
4 रेडियो नाटक की कला – डॉ. सिद्धनाथ कुमार।
5 रेडियो वार्ता शिल्प – डॉ. सिद्धनाथ कुमार।
6 जनसंचार : विविध आयाम – ब्रजमोहन गुप्त।
7 हिन्दी विज्ञापनों की भाषा – आशा पाण्डेय।
8 उत्तर आधुनिक मीडिया तकनीक – हर्षदेव।
9 प्रसार भारती प्रसारण नीति – सुधीश पचौरी।
10 आधुनिक विज्ञापन – डॉ. प्रेमचन्द्र पातंजलि।
11 दृश्य–श्रव्य माध्यम लेखन – डॉ. राजेन्द्र मिश्र।

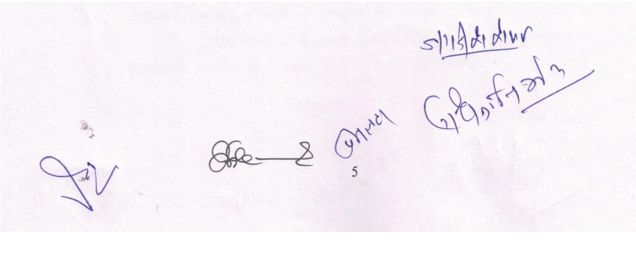

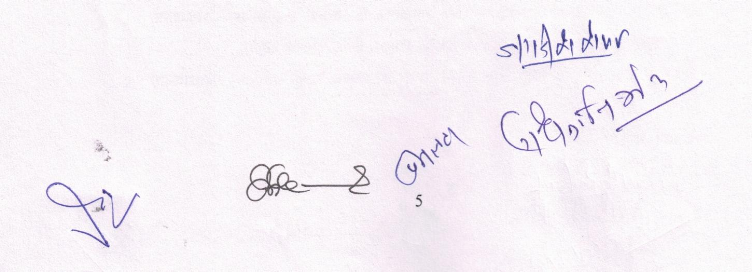

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन

मास्टर ऑफ़ आर्ट्स

कला संकाय

पाठ्यक्रम तथा अनुशंसित पुस्तकें

कार्यक्रम अधिगम परिणाम (LOCF)

एम.ए. हिन्दी

चतुर्थ सिमेस्टर

(सी.बी.सी.एस.पद्धति)

सत्र 2019–2020

एम. ए. हिन्दी चतुर्थ सिमेस्टर

(सी.बी.सी.एस.पद्धति)

निर्धारित पाठ्यक्रम
सत्र 2019–2020

CCT – 10	-	आधुनिक हिन्दी काव्य और उसका इतिहास।
CCT – 11	-	भाषाविज्ञान एवं हिन्दी भाषा।
CCT – 12	-	विशिष्ट रचनाकार : सूरदास।
ECT – 04	-	**(1)** अनुवाद विज्ञान।
ECT – 04	-	**(2)** विशिष्ट रचनाकार : तुलसीदास।
ECT – 04	-	**(3)** विशिष्ट रचनाकार : जयशंकर प्रसाद ।
ECT – 04	-	**(4)** लोक–साहित्य।
ECT – 04	-	**(5)** जनपदीय भाषा और साहित्य–मालवी।
ECT – 04	-	**(6)** पत्रकारिता प्रशिक्षण।
ECT – 04	-	**(7)** दृश्य–श्रव्य माध्यम लेखन।
EDC-4	-	Tourism Management
P-4	-	Institutional Visit
CVV- 4	-	Comprehensive viva-Voce (Virtual)

CCT-10

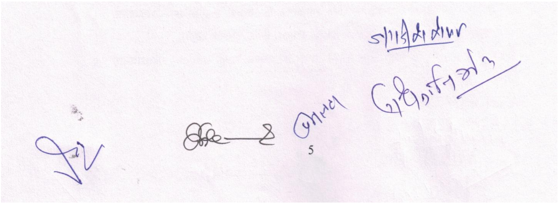

आधुनिक हिन्दी काव्य और उसका इतिहास

पूर्णांक – 60 अंक

- भारतेंदु युग से छायावाद तक के काल की सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक एवं सांस्कृतिक स्थितियों एवं परिवेश से विद्यार्थी परिचित हो सकेंगे।
- तत्कालीन राजनीति, सांस्कृतिक आंदोलनों एवं उनके साहित्यिक रूपान्तरण के बारे मेंजान सकेंगे।
- राष्ट्रीय नवजागरण के परिदृश्य से परिचित हो सकेंगे।
- ब्रजभाषा से क्रमशः खड़ी बोली के कविता भाषा बनन` और निखरने के इतिहास से परिचित हो सकेंग\
- छायावादी काव्य संवेदना और अभिव्यक्ति सौंदर्य से परिचित हो सकेंगे।

इकाई–1 **व्याख्यांश –**

1. **सुमित्रानन्दनपन्त** – परिवर्तन, नौका विहार, एकतारा, मौन निमंत्रण और आः धरती कितना देती है। (निर्धारित संकलन – रश्मिबंध)
2. **सूर्यकांत त्रिपाठी निराला :** राम की शक्ति पूजा, सरोज स्मृति और कुकुरमुत्ता। (निर्धारित संकलन– राग विराग : संपा. रामविलास शर्मा)

इकाई–2 **व्याख्यांश –**

1 **सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय' :** नदी के द्वीप, सरस्वती पुत्र, कलगी बाजरे की, परती का गीत और असाध्य वीणा।

2 **गजानन माधव मुक्तिबोध :** ब्रह्मराक्षस, मुझे कदम–कदम पर, लकड़ी का बना रावण और भूल गलती।

इकाई–3 सुमित्रानन्दन पन्त और सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला से संबंधित आलोचनात्मक प्रश्न।

इकाई–4 1 सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय' और गजानन माधव मुक्तिबोध से संबंधित आलोचनात्मक प्रश्न।

2 छायावादोत्तर काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ, इतिहास एवं प्रमुख कवि।

इकाई–5 द्रुतपाठ – रामधारी सिंह दिनकर, हरिवंशराय बच्चन, भवानीप्रसाद मिश्र, नरेश मेहता और रघुवीर सहाय से लघूत्तरीय प्रश्न ।

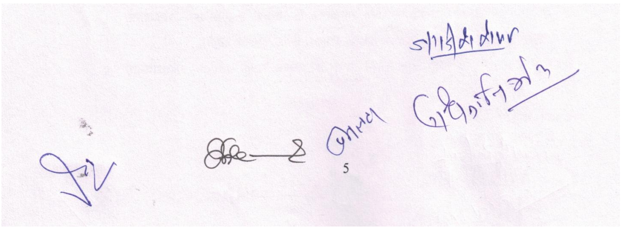

अंक–विभाजन

5 लघूत्तरीय प्रश्न 5 x 5 = 25 अंक
5 दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न 5 x 7 = 35 अंक
पूर्णांक = 60 अंक

(अ) दीर्घ–उत्तरीय पाँच प्रश्नों में से इकाई एक से एक व्याख्यात्मक प्रश्न और इकाई दो से एक व्याख्यात्मक प्रश्न होगा (आंतरिक विकल्प सहित) तथा इकाई तीन से एक दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न और इकाई चार से दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न होंगे (आंतरिक विकल्प सहित)।

(आ) लघूत्तरीय प्रश्न इकाई पाँच के अतिरिक्त अन्य इकाइयों से भी पूछे जा सकते हैं।

(इ) लघूत्तरीय प्रश्नों की शब्द सीमा अधिकतम 100 शब्दों की तथा दीर्घ–उत्तरीय प्रश्नों की शब्द सीमा अधिकतम 800 शब्दों की होगी।

सन्दर्भ ग्रंथ

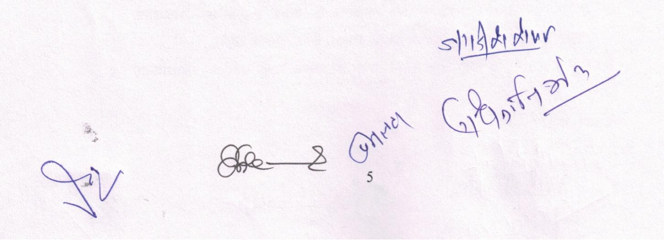

CCT-11

भाषाविज्ञान एवं हिन्दी भाषा

पूर्णांक – 60 अंक

कार्यक्रम अधिगम परिणाम (LOCF)-
पाठ्यक्रम के इस भाग का अधिगम निम्नवत् होगा–

- विद्यार्थियों को भाषा के स्वरूप और महत्त्व का ज्ञान प्राप्त होगा।
- विद्यार्थी भारत को एक सूत्र में बाँधनेवाली हिंदी भाषा की विविध बोलियों से परिचित हो सकेंगे।
- विद्यार्थियों को हिंदी भाषा की शारीरिक इकाइयों दृश्य, ध्वनि, शब्द, वाक्य आदि का ज्ञान प्राप्त हो सकेगा।
- हिंदी के अर्थ–विकास की जानकारी प्राप्त हो सकेगी।
- वैज्ञानिक और उपयोगी लिपि 'नागरी' का अपेक्षित ज्ञान प्राप्त होगा।

इकाई–1 भाषाओं का वर्गीकरण : आकृतिमूलक और परिवारिक। आकृतिमूलक वर्गीकरण का स्वरूप और उपयोगिता। पारिवारिक वर्गीकरण का स्वरूप और आधार। भारोपीय भाषाओं का परिचय।

इकाई–2 हिन्दी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि – प्राचीन भारतीय आर्य भाषाएँ, वैदिक एवं लौकिक संस्कृत और उनकी विशेषताएँ। मध्यकालीन भारतीय आर्य भाषाएँ : पालि, प्राकृत–शौरसेनी, अर्द्ध माघधी, मागधी, अपभ्रंश और उनकी विशेषताएँ। आधुनिक भारतीय आर्य भाषाएँ और उनका वर्गीकरण।

इकाई–3 हिन्दी का भौगोलिक विस्तार – हिन्दी की उपभाषाएँ, पश्चिमी हिन्दी, पूर्वी हिन्दी, राजस्थानी, बिहारी तथा पहाडी और उनकी बोलियाँ। खडी बोली, ब्रज और अवधी की विशेषताएँ।

इकाई–4 हिन्दी का भाषिक स्वरूप : हिन्दी की स्वनिम व्यवस्था – खंडय्, खंडेतर। हिन्दी शब्द–रचना, उपसर्ग, प्रत्यय, समास। रूप रचना–लिंग, वचन और कारक–व्यवस्था के संदर्भ में, हिन्दी की संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण और क्रिया रूप। हिन्दी वाक्य रचना पदक्रम और अन्विति।

इकाई–5 हिन्दी में कम्प्यूटर सुविधाएँ : आंकडा–संसाधन और शब्द संसाधन, वर्तनी –शोधक मशीनी अनुवाद, हिन्दी भाषा – शिक्षण, लिपि का उद्भव एवं विकास, देवनागरी लिपि– वैज्ञानिकता और मानकीकरण।

अंक–विभाजन
5 लघूत्तरीय प्रश्न 5 x 5 = 25 अंक
5 दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न 5 x 7 = 35 अंक
पूर्णांक = 60 अंक

निर्देश :–

लघूत्तरीय प्रश्नों की शब्द सीमा अधिकतम 100 शब्दों की तथा दीर्घ–उत्तरीय प्रश्नों की शब्द सीमा अधिकतम 800 शब्दों की होगी।

सन्दर्भ ग्रंथ

1 भाषाविज्ञान की भूमिका–देवेन्द्रनाथ शर्मा
2 सामान्य भाषाविज्ञान – डॉ. बाबूराम सक्सेना।
3 भाषाविज्ञान – डॉ. भोलानाथ तिवारी।
4 हिन्दी भाषा का उद्‌भव और विकास – डॉ. उदयनारायण तिवारी।
5 भारतीय आर्य भाषाओं का इतिहास – जगदीशप्रसाद कौशिक।
6 भारतीय भाषाशास्त्रीय चिंतन – विद्यानिवास मिश्र।
7 आधुनिक भाषाविज्ञान की भूमिका–मोतीलाल गुप्त और रघुवीरप्रसाद भटनागर
8 भाषा और भाषिकी – डॉ. देवीशंकर द्विवेदी।
9 हिन्दी व्याकरण – कामताप्रसाद गुरु।
10 हिन्दी शब्दानुशासन – किशोरीदास वाजपेयी।
11 हिन्दी भाषा का सरल व्याकरण – भोलानाथ तिवारी।
12 भारतीय लिपियों की कहानी – गुणाकर मुले।
13 अर्थविज्ञान – ब्रजमोहन।
14 भारतीय आर्य भाषा और हिन्दी – सुनीतिकुमार चटर्जी।
15 भाषाविज्ञान और भाषाशास्त्र – डॉ. कपिलदेव द्विवेदी।
16 भाषाविज्ञान : सैद्धांतिक चिंतन – डॉ. रवींद्रनाथ श्रीवास्तव।
17 भाषाविज्ञान – संपा. डॉ. राजमल बोरा।
18 हिन्दी भाषा का इतिहास – भोलानाथ तिवारी।
19 ऐतिहासिक भाषाविज्ञान : सिद्धांत और व्यवहार – डॉ. जयकुमार 'जलज'।
20 भाषाविज्ञान – संपा डॉ. राजमल वोरा।
21 कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग – डॉ विजयकुमार मलहोत्रा।
22 कम्प्यूटर और हिन्दी – डॉ. हरिमोहन।
23 नागरी लिपि – डॉ. नरेश मिश्र।
24 देवनागरी विमर्श – संपा डॉ. शैलेन्द्रकुमार शर्मा।
25 अवाचिक भाषा – डॉ. गीता नायक

CCT-12
विशिष्ट रचनाकार : सूरदास

पूर्णांक – 60 अंक

कार्यक्रम अधिगम परिणाम (LOCF)-
पाठ्यक्रम के इस भाग का अधिगम निम्नवत् होगा–

- सूरदास और उनकी रचनाओं से वे परिचित हो सकेंगे।
- सूरदास के साहित्य का भावात्मक और राजसत्तात्मक प्रभाव ज्ञान प्राप्त होगा।
- सूरदास के सृजन के काव्य रूप का ज्ञान प्राप्त होगा।
- इससे साहित्य सृजन के आधार हिंदी भाषा और मौलिक स्वरूप का ज्ञान प्राप्त होगा।

इकाई–1 व्याख्यांश– सूरसागर सार : (संपादक) डॉ. धीरेन्द्र वर्मा

1 मथुरा गमन

इकाई–2 व्याख्यांश–सूरसागर सार : (संपादक) डॉ. धीरेन्द्र वर्मा

1 उद्धव–सन्देश

इकाई–3 सूरदास का दर्शन, भ्रमरगीत, विप्रलम्भ श्रृंगार आदि से सम्बद्ध आलोचनात्मक प्रश्न।

इकाई–4 1 सूरदास का अभिव्यक्ति कौशल, भाषा, गीतिकला, अलंकारयोजना आदि से सम्बद्ध आलोचनात्मक प्रश्न।

2 कृष्णभक्ति काव्य धारा का परिचय एवं प्रवृत्तियाँ तथा अष्टछाप के कवि।

इकाई–5 द्रुतपाठ – चतुर्भुजदास, नन्ददास, रसखान, मीरा।

अंक–विभाजन
5 लघूत्तरीय प्रश्न 5 x 5 = 25 अंक
5 दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न 5 x 7 = 35 अंक
पूर्णांक = 60 अंक

निर्देश :–

(अ) **दीर्घ–उत्तरीय पाँच प्रश्नों में से इकाई एक से दो व्याख्यात्मक प्रश्न तथा इकाई दो से एक व्याख्यात्मक प्रश्न (आंतरिक विकल्प सहित) होगा तथा दो दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न तृतीय और चतुर्थ इकाई से संबद्ध होंगे (आंतरिक विकल्प सहित)।**

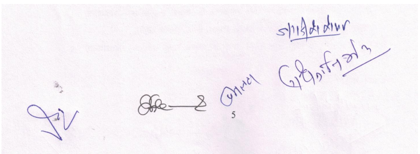

(आ) लघूत्तरीय प्रश्न इकाई पाँच के अतिरिक्त अन्य इकाइयों से भी पूछे जा सकते हैं।

(इ) लघूत्तरीय प्रश्नों की शब्द सीमा अधिकतम 100 शब्दों की तथा दीर्घ–उत्तरीय प्रश्नों की शब्द सीमा अधिकतम 800 शब्दों की होगी।

संदर्भ ग्रंथ

1 सूरदास – पं. रामचन्द्र शुक्ल।

2 महाकवि सूरदास – पं. नन्ददुलारे वाजपेयी।

3 सूर और उनका साहित्य – डॉ. हरवंशलाल शर्मा।

4 सूरदास – संपा. डॉ. हरवंशलाल शर्मा।

5 सूर साहित्य – डॉ. हजारीप्रसाद द्विवेदी।

6 सूर निर्णय – प्रभुदयाल मीतल।

7 सूरदास – डॉ. ब्रजेश्वर वर्मा।

8 सूर विमर्श – राममूर्ति त्रिपाठी।

9 सूरदास – डॉ. मैनेजर पांडेय

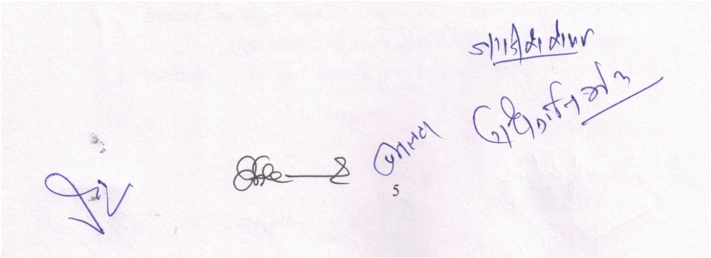

ECT- 04

(1) अनुवादविज्ञान

पूर्णांक – 60 अंक

कार्यक्रम अधिगम परिणाम (LOCF)-
पाठ्यक्रम के इस भाग का अधिगम निम्नवत् होगा–

- अनुवाद की प्रयोजनीयता और प्रक्रिया की समझविकसित होगी।
- उनमें अच्छे अनुवादक बनने की इच्छा जागृत हो सकेगी।

इकाई–1 स्रोत भाषा और लक्ष्य भाषा के अर्थान्तरण की प्रक्रिया, अनूदित पाठ का पुनर्गठन और अर्थ संप्रेषण की प्रक्रिया,।

इकाई–2 अनुवाद प्रक्रिया की प्रकृति। अनुवाद तथा समतुल्यता का सिद्धांत।

इकाई–3 विधि–साहित्य के अनुवाद की समस्याएँ। अनुवाद के उपकरणः कोश पारिभाषिक शब्दावली, थिसारस, कम्प्यूटर आदि। मशीनी अनुवाद।

इकाई–4 अनुवाद पुनरीक्षण, संपादन, मूल्यांकन।

अनुवाद की सार्थकता, प्रासंगिकता एवं व्यावसायिक परिदृश्य। अनुवादक के गुण।

इकाई–5 पाठ की आवधारणा और प्रकृति–पाठ शब्द प्रति शब्द, शाब्दिक अनुवाद, भावानुवाद,छायानुवाद, पूर्ण और आंशिक अनुवाद आशु अनुवाद। व्यावहारिक अनुवाद (प्रश्नपत्र में दिए गए अंग्रजी अवतरण का हिन्दी अनुवाद)

अंक–विभाजन

5 लघूत्तरीय प्रश्न 5 x 5 = 25 अंक
5 दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न 5 x 7 = 35 अंक
पूर्णांक = 60 अंक

निर्देश :–

लघूत्तरीय प्रश्नों की शब्द सीमा अधिकतम 100 शब्दों की तथा दीर्घ–उत्तरीय प्रश्नों की शब्द सीमा अधिकतम 800 शब्दों की होगी।

संदर्भ ग्रंथ

1 अनुवाद क्या है – डॉ. भ.ह. राजूरकर।

2 अनुवाद विज्ञान – डॉ. भोलानाथ तिवारी।

3 अनुवाद कला : कुछ विचार–बियाणी एवं देवप्रकाश।

4 संस्कृत नाटकों के हिन्दी अनुवाद – डॉ. देवेन्द्रकुमार।

5 अनुवाद का भाषिक सिद्धांत – रविशंकर दीक्षित।

6 अनुवाद सिद्धांत की रूपरेखा – डॉ. सुरेशकुमार।

7 अनुवाद चिन्तन – एल.एन. शर्मा सौमित्र।

8 अनुवाद : भाषाएँ, समस्याएँ –एन.ई. विश्वनाथ अय्यर।

9 वैज्ञानिक साहित्य के अनुवाद की समस्याएँ – डॉ. भोलानाथ तिवारी।

10 सृजनात्मक साहित्य का अनुवाद : स्वरूप एवं समस्याएँ – डॉ. सुरेश सिंहल।

11 काव्यानुवाद की समस्याएँ – डॉ भोलानाथ तिवारी ।

12 कार्यालयीन अनुवाद की समस्याएँ – डॉ भोलानाथ तिवारी।

13 विदेशी भाषाओं से हिन्दी अनुवाद की समस्याएँ – डॉ भोलानाथ तिवारी।

14 भारतीय भाषाओं से हिन्दी अनुवाद की समस्याएँ – डॉ भोलानाथ तिवारी।

15 अनुवाद कला – डॉ भोलानाथ तिवारी।

16 पत्रकारिता में अनुवाद की समस्याएँ – डॉ भोलानाथ तिवारी।

17 अनुवाद कला : सिद्धांत और प्रयोग – कैलाशचन्द्र भाटिया।

18 भारतीय भाषाएँ और हिन्दी अनुवादः समस्याएँ और समाधान – (संपा.) कैलाशचन्द्र भाटिया।

19 अनुवाद विज्ञान – डॉ. नगेन्द्र।

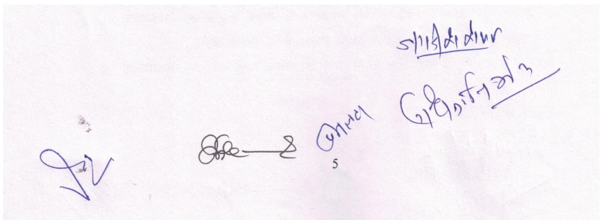

ECT- 04

(2) विशिष्ट रचनाकार : तुलसीदास

पूर्णांक – 60 अंक

कार्यक्रम अधिगम परिणाम (LOCF)-
पाठ्यक्रम के इस भाग का अधिगम निम्नवत् होगा–

- तुलसीदास और उनकी रचनाओं से वे परिचित हो सकेंगे।
- तुलसीदास के साहित्य का भावात्मक और राजसत्तात्मक प्रभाव ज्ञान प्राप्त होगा।
- तुलसीदास के सृजन के काव्य रूप का ज्ञान प्राप्त होगा।
- इससे साहित्य सृजन के आधार हिंदी भाषा और मौलिक स्वरूप का ज्ञान प्राप्त होगा।

इकाई–1 व्याख्यांश –

रामचरितमानस : उत्तरकाण्ड; (गीताप्रेस, गोरखपुर से प्रकाशित संस्करण)

इकाई–2 व्याख्यांश – 1 विनयपत्रिका, 2 कवितावली

(गीताप्रेस, गोरखपुर से प्रकाशित विनयपत्रिका और कवितावली के संस्करण)

इकाई–3 तुलसीदास का दर्शन, भक्तिपद्धति, प्रासंगिकता, विनयपत्रिका एवं कवितावली का काव्यसौन्दर्य आदि से सम्बद्ध आलोचनात्मक प्रश्न।

इकाई–4 1 तुलसीदास का अभिव्यक्ति कौशल, भाषा, गीतिकला, अलंकारयोजना आदि से सम्बद्ध आलोचनात्मक प्रश्न।

2 रामभक्ति काव्यधारा का परिचय एवं प्रवृत्तियाँ।

इकाई–5 द्रुतपाठ – रामानन्द, विष्णुदास और केशवदास।

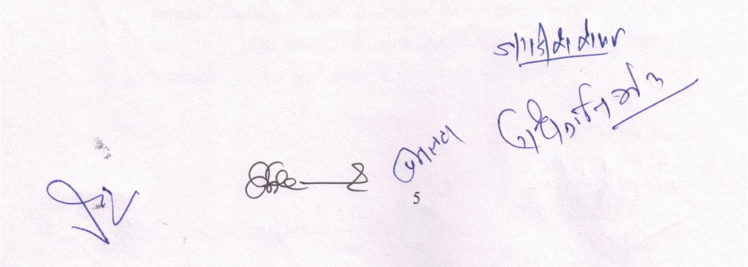

अंक–विभाजन
5 लघूत्तरीय प्रश्न 5 x 5 = 25 अंक
5 दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न 5 x 7 = 35 अंक
पूर्णांक = 60 अंक

निर्देश :–

(अ) दीर्घ–उत्तरीय पाँच प्रश्नों में से इकाई एक से दो व्याख्यात्मक प्रश्न तथा इकाई दो से एक व्याख्यात्मक प्रश्न (आंतरिक विकल्प सहित) होगा तथा दो दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न तृतीय और चतुर्थ इकाई से संबद्ध होंगे (आंतरिक विकल्प सहित)।

(आ) लघूत्तरीय प्रश्न इकाई पाँच के अतिरिक्त अन्य इकाइयों से भी पूछे जा सकते हैं।

(इ) लघूत्तरीय प्रश्नों की शब्द सीमा अधिकतम 100 शब्दों की तथा दीर्घ–उत्तरीय प्रश्नों की शब्द सीमा अधिकतम 800 शब्दों की होगी।

संदर्भ ग्रंथ

1 गोस्वामी तुलसीदास – आचार्य रामचंद्र शुक्ल।
2 तुलसी काव्य मीमांसा – डॉ. उदयभानु सिंह।
3 तुलसी दर्शन – डॉ. बलदेवप्रसाद मिश्र।
4 तुलसीदास और उनका युग – डॉ. राजपति दीक्षित।
5 तुलसीदास – डॉ. माताप्रसाद गुप्त।
6 तुलसी की रामकथा – डॉ. बलदेवप्रसाद मिश्र।
7 तुलसीदास : आधुनिक परिप्रेक्ष्य में – डॉ. गोपीनाथ तिवारी।
8 तुलसीमंजरी – डॉ. विद्यानिवास मिश्र
9 रामायण का काव्यमर्म – डॉ. विद्यानिवास मिश्र
10 गोस्वामी तुलसीदास – डॉ. रामजी तिवारी
11 तुलसी : संदर्भ और दृष्टि – सं. केशवप्रसादसिंह और डॉ. वासुदेवसिंह।

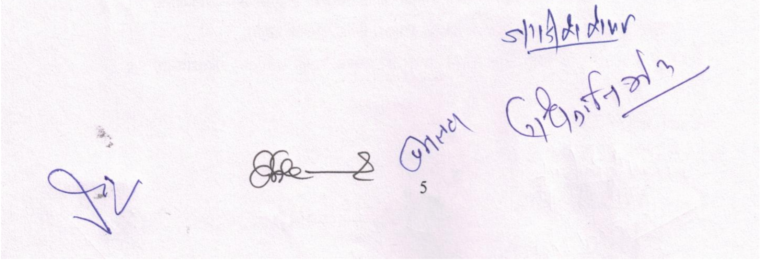

ECT- 04

(3) विशिष्ट रचनाकार : जयशंकर प्रसाद

पूर्णांक – 60 अंक

कार्यक्रम अधिगम परिणाम (LOCF)-
पाठ्यक्रम के इस भाग का अधिगम निम्नवत् होगा–

- जयशंकर प्रसाद और उनकी रचनाओं से वे परिचित हो सकेंगे।
- जयशंकर प्रसाद के साहित्य का भावात्मक और राजसत्तात्मक प्रभाव ज्ञान प्राप्त होगा।
- जयशंकर प्रसाद के सृजन के काव्य रूप का ज्ञान प्राप्त होगा।
- इससे साहित्य सृजन के आधार हिंदी भाषा और मौलिक स्वरूप का ज्ञान प्राप्त होगा।

इकाई–1 **व्याख्यांश –**

1 स्कन्दगुप्त

2 चन्द्रगुप्त

इकाई–2 **व्याख्यांश –**

1 कामना

2 अजातशत्रु।

इकाई–3 1 स्कन्दगुप्त और चन्द्रगुप्त से सम्बद्ध आलोचनात्मक प्रश्न।

2 प्रसाद के नाटकों की पृष्ठभूमि, रंगमचीय परिकल्पना तथा नाट्यशास्त्रीय चिंतन।

इकाई–4 1 कामना और अजातशत्रु से सम्बद्ध आलोचनात्मक प्रश्न।

2 हिन्दी नाटक की परम्परा और जयशंकर प्रसाद।

इकाई–5 द्रुतपाठ – सेठ गोविन्ददास, लक्ष्मीनारायण मिश्र, भुवनेश्वर, मोहन राकेश और सुरेन्द्र वर्मा ।

अंक–विभाजन
5 लघूत्तरीय प्रश्न 5 x 5 = 25 अंक
5 दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न 5 x 7 = 35 अंक
पूर्णांक = 60 अंक

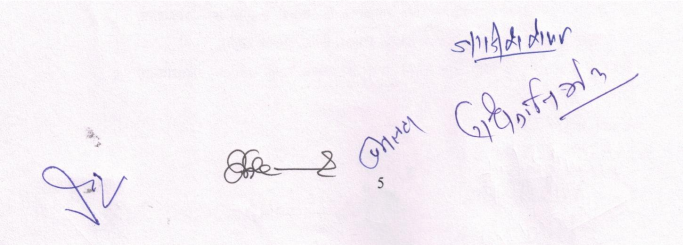

निर्देश :–

(अ) दीर्घ–उत्तरीय पाँच प्रश्नों में से इकाई एक से दो व्याख्यात्मक प्रश्न तथा इकाई दो से एक व्याख्यात्मक प्रश्न (आंतरिक विकल्प सहित) होगा तथा दो दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न तृतीय और चतुर्थ इकाई से संबद्ध होंगे (आंतरिक विकल्प सहित)।

(आ) लघूत्तरीय प्रश्न इकाई पाँच के अतिरिक्त अन्य इकाइयों से भी पूछे जा सकते हैं।

(इ) लघूत्तरीय प्रश्नों की शब्द सीमा अधिकतम 100 शब्दों की तथा दीर्घ–उत्तरीय प्रश्नों की शब्द सीमा अधिकतम 800 शब्दों की होगी।

संदर्भ ग्रंथ

1 जयशंकर प्रसाद – आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी।

2 जयशंकर प्रसाद – रमेशचन्द्र शाह।

3 नाटककार जयशंकर प्रसाद – संपा. सत्येन्द्रकुमार तनेजा।

4 जयशंकर प्रसाद : नाट्क और रंग–शिल्प – डॉ. गोविंद चातक।

5 जयशंकर प्रसाद के नाटकों की पुनर्रचना – डॉ. सिद्धनाथकुमार।

6 जयशंकर प्रसाद के ऐतिहासिक नाटक – डॉ. जगदीशचंद्र जोशी।

7 जयशंकर प्रसाद के नाटक – परमेश्वरीलाल गुप्त।

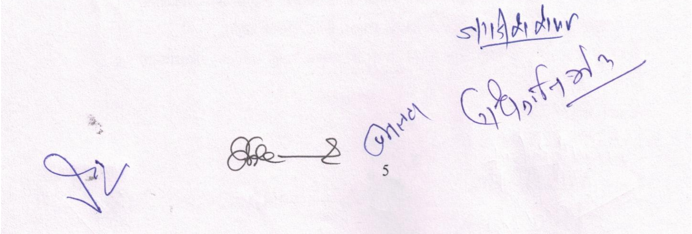

ECT- 04

(4) लोक–साहित्य

पूर्णांक – 60 अंक

कार्यक्रम अधिगम परिणाम (LOCF)-
पाठ्यक्रम के इस भाग का अधिगम निम्नवत् होगा–

- विद्यार्थी वर्तमान वैश्वीकरण के युग में अपने अंचल विशेष के प्रभावी रूप से लके र वैश्विक संदर्भ से जुड़ सकेंग।
- विद्यार्थियों को लोक साहित्य की भाव गंभीरता,सांस्कृतिक रूप और सहज अभिव्यक्ति का परिचय प्राप्त हो सकेगा।

इकाई–1 लोक साहित्य का आशय, लोक साहित्य के संकलन की समस्याएँ। लोक–साहित्य के प्रमुख रूपों का वर्गीकरण : लोकगीत, लोकनाट्य, लोककथा, लोकगाथा, लोक नृत्य–नाट्य, लोक संगीत। लोक गीत : संस्कार–गीत, व्रतगीत, श्रमगीत, ऋतुगीत, जाति गीत।

इकाई–2 लोकनाट्य–रामलीला, रासलीला, कीर्तनिया, स्वांग, यक्षगान, भवाई, संपेरा, बिदेसिया, माच, भाँड, तमाशा, नौटंकी, जात्रा, कथकली। हिन्दी लोक–नाट्य की परम्परा एवं प्रविधि। हिन्दी नाटक और रंगमंच पर लोक नाट्यों का प्रभाव।

इकाई–3 लोककथा : व्रत–कथा, परी–कथा, नाग–कथा, बोध–कथा, कथानक– रूढ़ियाँ अथवा अभिप्राय। लोक–गाथा : ढोला–मारू, गोपीचन्द–भरथरी, लोरिक, नल–दमयंती, लैला–मंजनूँ, हीर–राँझा, सोहनी–महीवाल, लोरिक–चंदा, बगड़ावत, आल्हा–हरदौल।

इकाई 4 लोक–संगीत : लोकवाद्य तथा विशिष्ट लोक धुनें। लोक–नृत्य, नाट्य। लोक–भाषा : लोक सुभाषित, मुहावरे, कहावतें, पहेलियाँ।

इकाई–5 जनपदीय भाषा मालवी के लोक–साहित्य का विशेष अध्ययन।

अंक–विभाजन
5 लघूत्तरीय प्रश्न 5 x 5 = 25 अंक
5 दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न 5 x 7 = 35 अंक
पूर्णांक = 60 अंक

निर्देश :–

लघूत्तरीय प्रश्नों की शब्द सीमा अधिकतम 100 शब्दों की तथा दीर्घ–उत्तरीय प्रश्नों की शब्द सीमा अधिकतम 800 शब्दों की होगी।

संदर्भ ग्रंथ

1 प्रामाणिक मालवी हिन्दी कोश – डॉ. प्रह्लादचन्द्र जोशी।
2 मालवी लोककथाएँ – डॉ. प्रह्लादचन्द्र जोशी।
3 मालवी और उप बोलियों का व्याकरण – डॉ. प्रह्लादंचद्र जोशी।
4 लोक–साहित्य विज्ञान – डॉ. सत्येन्द्र।
5 लोक–साहित्य की भूमिका – डॉ. कृष्णदेव उपाध्याय।
6 लोक–साहित्य और संस्कृति – डॉ. दिनेश्वर प्रसाद।
7 लोक–साहित्य विमर्श – डॉ. श्याम परमार।
8 लोक–संस्कृति की रूपरेखा – डॉ. कृष्णदेव उपाध्याय।

9 मालवी लोकगीत : एक विवेचनात्मक अध्ययन – डॉ. चिन्तामणि उपाध्याय।
10 लोकायन – डॉ. चिंतामणि उपाध्याय।
11 मालवी और उसका साहित्य–डॉ. श्याम परमार।
12 मालवी की उत्पति और विकास – डॉ. बंशीधर।
13 सोंधवाड़ी साहित्य, संस्कृति और व्याकरण–डॉ. प्रह्लादचन्द्र जोशी, संपा. डॉ. शैलेन्द्रकुमार शर्मा।
14 लोक साहित्य विमर्श – डॉ. श्याम परमार।
15 मालवी लोकगीत – संकलन–टीकमचन्द भावसार, संपा. भगवतीलाल राजपुरोहित।
16 लोक और लोक का स्वर –डॉ. विद्यानिवास मिश्र।
17 मध्यप्रदेश का लोक नाट्य माच – डॉ. शिवकुमार मधुर।
18 लोक भाषा और साहित्य –डॉ. भगवतीलाल राजपुरोहित।
19 मालवी संस्कृति और साहित्य –डॉ. भगवतीलाल राजपुरोहित।
20 चितरावनः मध्य प्रदेश के मालवा जनपद की चित्रकला –डॉ. भगवतीलाल राजपुरोहित।
21 मालवा का लोकनाट्य माच और अन्य विधाएँ – सम्पा. डॉ. शैलेंद्रकुमार शर्मा
22 मालवसुत पं. सूर्यनारायण व्यास – (संपा) डॉ. हरीश निगम, डॉ. शैलेंद्रकुमार शर्मा, डॉ. हरीश प्रधान।
23 अवन्ती क्षेत्र और सिंहस्थ महापर्व : – (संपा) डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी, डॉ. श्यायसुन्दर निगम, डॉ. भगवतीलाल राजपुरोहित, डॉ. शिव चौरसिया, डॉ. शैलेंद्रकुमार शर्मा।
24 मालवी री मिठास – नन्दकिशोर सोनी, (संपा) डॉ. शैलेंद्रकुमार शर्मा ।
25 ऊदल दातार लोक देवता देवनारायण – डॉ. पूरन सहगल ।
26 मालवी लोक साहित्य में उपलब्ध विरद बखान और गाथासाहित्य – डॉ. पूरन सहगल ।
27 लोक देवता जून कुँवर –डॉ. पूरन सहगल।
28 लागी सबद कटार (मालवी का दोहा) – (संपा) डॉ. पूरन सहगल।
29 रामानन्द परम्परा के उद्गायक संत पीपाजी – ललित शर्मा।
30 मालवी साहित्य का इतिहास –डॉ. श्यामसुंदर निगम, (संपा) डॉ. देवेन्द्र दीपक ।
31 निमाड़ी साहित्य का इतिहास– डॉ. श्रीराम परिहार, (संपा) डॉ. देवेन्द्र दीपक।
32 मालवी कहावत कोश – डॉ. निर्मला राजपुरोहित।
33 मालवा के इतिहास एवं संस्कृति के कतिपय पहलू –डॉ. श्यामसुंदर निगम ।
34 मालवी लोक गीतों की अन्तर्चेतना –डॉ. शशि निगम।
35 अनादि उज्जयिनी (तीन खण्ड) – डॉ. रमेश निर्मल
36 मालवांचल के कवि (दो भाग) – डॉ. श्यामसुंदर व्यास, सतीश दुबे ।
37 चंदन चौक – (संपा) डॉ. विद्यानिवास मिश्र।
38 हिंदी की जनपदीय कविता – डॉ. विद्यानिवास मिश्र।
39 वीणा, मालवी अंक, पूर्वार्द्ध और उत्तरार्द्ध, सित – अक्टू. 1971।
40 राउलवेल और प्राचीन मालवी काव्यधारा – संपा. डॉ. भगवतीलाल राजपुरोहित और डॉ. शैलेन्द्रकुमार शर्मा ।
41 मालवी भाषा और साहित्य – सम्पा. डॉ. शैलेंद्रकुमार शर्मा
42 मालवा उपन्यासों में जन–जीवन – डॉ. प्रतिभा सक्सेना

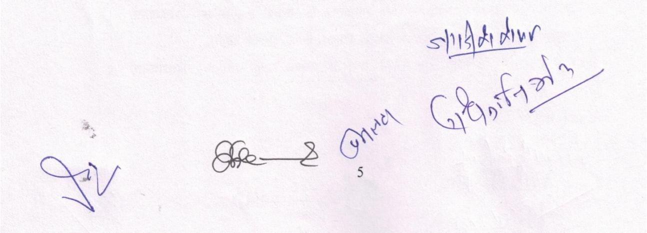

ECT- 04

(5) जनपदीय भाषा और साहित्य – मालवी

पूर्णांक – 60 अंक

कार्यक्रम अधिगम परिणाम (LOCF)-
पाठ्यक्रम के इस भाग का अधिगम निम्नवत् होगा–

- विद्यार्थी वर्तमान वैश्वीकरण के युग में अपने अंचल विशेष के प्रभावी रूप से लके र वैश्विक संदर्भ से जुड़ सकेंग।
- विद्यार्थियों को लोक साहित्य की भाव गंभीरता,सांस्कृतिक रूप और सहज अभिव्यक्ति का परिचय प्राप्त हो सकेगा।

इकाई–1 **व्याख्यांश –**

1 नरहरि पटेल

(क) 'मालव की रात':– पूरब में सूरज उग्यो, सिपरा किनारे ऊँची अटारी, मालवा की रात, बिरहण को बारामासा चंग के संग में

(ख) 'गुलमोरी धरती' :– पेलॉं दुख था कसा (मालवी ग़ज़ल), गुलमोरी धरती

2 मदनमोहन व्यास :–'मालवा की जातरा'
मन रमीरियो है म्हारो गाँव में, मालवा की जातरा, यो हँसतो–गातो म्हारो दे, लाड़ी, होली आई रे

3 मोहन सोनी :– 'हथलेवो'
याद कर्‌यो होगा, पनिहारी, बदली डूंगरा पे बेठी, विरहन की पाती, चम्पा को फूल लगे

4 शिव चौरसिया :– 'माटी की सोरम', चतुर्थखंड, सम्पा. चैतन्य गोपाल निर्भय रतनारो उजियार करो, बरखा, होली, टीका–हार घड़ई दे रे, हूँ मछली बिन पानी की

इकाई–2 **व्याख्यांश : मालवी गद्यकार –**

(1) देशस्थ (उपन्यास) – चंद्रशेखर दुबे

(2) वारे पट्‌ठा भारी करी (कहानी संग्रह) – श्रीनिवास जोशी, सम्पा. नरहरि पटेल, कहानियाँ – सासूजी रिसायेगा, चतरभुज माखो, धक्का को चमत्कार, राखोड़्या, वारे पट्‌ठा भारी करी

(3) नाटक : राजयोगी भरथरी (माच) –सिद्धेश्वर सेन, सम्पा. डॉ. प्यारेलाल श्रीमाल 'सरस पंडित'

इकाई–3 नरहरि पटेल, मदनमोहन व्यास, मोहन सोनी और शिव चौरसिया से संबंधित आलोचनात्मक प्रश्न।

इकाई–4 1 मालवी गद्यकारों से संबंधित आलोचनात्मक प्रश्न।

2 मालवी साहित्य क

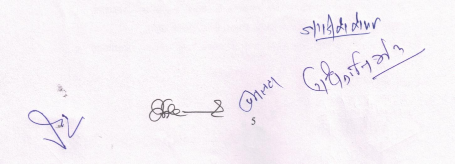

इकाई–5 द्रुत पाठ

1 पन्नालाल नायाब

मास्टर साहब की अनोखी छटा (मालवी एकांकी), गोरा (मालवी कविता),

राती–राती पाग बाँधे माय भर ले गाबा (मालवी ग़ज़ल)

2 नरेन्द्रसिंह तोमर :– 'पगडण्डी ' संपा. नरहरि पटेल

उठो किरसाण भइ, गाँव की महिमा, कइँ जाणे

3 पूरमचंद सोनी – माटी की सोरम, संपा. चैतन्यगोपाल 'निर्भय'

सुवागण भोली भाली रे, डागला पे गोरी, पगल्या पूजो

4 झलक निगम – 'एरे मेरे की कविता', संपा. डॉ. शैलेंद्रकुमार शर्मा साँझ, सलई, गीत गावाँ

अंक–विभाजन

5 लघूत्तरीय प्रश्न 5 x 5 = 25 अंक

5 दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न 5 x 7 = 35 अंक

पूर्णांक = 60 अंक

निर्देश :–

(अ) **दीर्घ–उत्तरीय पाँच प्रश्नों में से इकाई एक से दो व्याख्यात्मक प्रश्न तथा इकाई दो से एक व्याख्यात्मक प्रश्न (आंतरिक विकल्प सहित) होगा तथा दो दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न तृतीय और चतुर्थ इकाई से संबद्ध होंगे (आंतरिक विकल्प सहित)।**

(आ) **लघूत्तरीय प्रश्न इकाई पाँच के अतिरिक्त अन्य इकाइयों से भी पूछे जा सकते हैं।**

(इ) **लघूत्तरीय प्रश्नों की शब्द सीमा अधिकतम 100 शब्दों की तथा दीर्घ–उत्तरीय प्रश्नों की शब्द सीमा अधिकतम 800 शब्दों की होगी।**

संदर्भ ग्रंथ

1 मालवी एक भाषा–शास्त्रीय अध्ययन – डॉ. चिन्तामणि उपाध्याय
2 मालवी लोकगीत : एक विवेचनात्मक अध्ययन – डॉ. चिन्तामणि उपाध्याय
3 लोकायन – डॉ. चिन्तामणि उपाध्याय
4 राजस्थानी भाषा – सुनीतिकुमार चाटुर्ज्या
5 राजस्थानी भाषा और साहित्य– मोतीलाल मेनारिया

6 भीली भाषा, साहित्य और संस्कृति – डॉ. नेमिचन्द्र जैन
7 निमाड़ी और उसका साहित्य – डॉ. कृष्णलाल हंस
8 लोकधर्मी नाट्य–परम्परा – डॉ. श्याम परमार
9 मालवी और उसका साहित्य – डॉ. श्याम परमार
10 मालवा की लोक कथाएँ – डॉ. श्याम परमार
11 मालवी लोक–साहित्य – डॉ. श्याम परमार
12 मालवी लोकगीत–संकलन : टीकमचन्द भावसार, (संपा.) डॉ. भगवतीलाल राजपुरोहित
13 राजयोगी भरथरी– सिद्धेश्वर सेन,
14 हिन्दी साहित्य का बृहत् इतिहास (भाग 16) : हिन्दी का लोक साहित्य, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
15 मालवी भाषा और साहित्य – (संपा) डॉ. शैलेंद्रकुमार शर्मा
16 लोक–साहित्य की भूमिका – डॉ. कृष्णदेव उपाध्याय
17 मालवी की उत्पति और विकास – डॉ. बंशीधर
18 मालवा के लोकगीत – डॉ. परमेश्वरदत्त शर्मा
19 'गजरो' – सम्पा. मोहन सोनी, शिव चौरसिया
20 मालवी और उपबोलियों का व्याकरण – डॉ. प्रह्लादचन्द्र जोशी
21 मालवी स्वयं शिक्षक – डॉ. प्रह्लादचन्द्र जोशी
22 हरियाले आँचल का हरकारा : हरीश निगम – (संपा.) डॉ. शैलेन्द्रकुमार शर्मा
23 सोंधवाड़ी साहित्य, संस्कृति और व्याकरण–डॉ. प्रह्लादचन्द्र जोशी,(संपा.) डॉ. शैलेन्द्रकुमार शर्मा
24 मालवी कविताएँ (भाग 1) – (संपा.) डॉ. श्याम परमार
25 लोक और लोक का स्वर – डॉ. विद्यानिवास मिश्र
26 मध्यप्रदेश का लोक नाट्य माच – डॉ. शिवकुमार मधुर
27 लोक भाषा और साहित्य – डॉ. भगवतीलाल राजपुरोहित
28 मालवी संस्कृति और साहित्य – डॉ. भगवतीलाल राजपुरोहित
29 चितरावनः मध्य प्रदेश के मालवा जनपद की चित्रकला – डॉ. भगवतीलाल राजपुरोहित
30 मालवा का लोकनाट्य माच और अन्य विधाएँ– (संपा.) डॉ. शैलेंद्रकुमार शर्मा
31 मालव सुत पं. सूर्यनारायण व्यास–(संपा.) डॉ. हरीश निगम, डॉ. शैलेंद्रकुमार शर्मा, डॉ. हरीश प्रधान
32 अवन्ती क्षेत्र और सिंहस्थ महापर्व – (संपा.) डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी, डॉ. श्यामसुन्दर निगम डॉ. भगवतीलाल राजपुरोहित, डॉ. शिव चौरसिया और डॉ. शैलेंद्रकुमार शर्मा
33 मालवी री मिठास – नन्दकिशोर सोनी, (संपा.) डॉ. शैलेंद्रकुमार शर्मा
34 ऊदल दातार लोक देवता देवनारायण – डॉ. पूरन सहगल
35 मालवी लोक साहित्य में उपलब्ध विरद बखान और गाथा साहित्य – डॉ. पूरन सहगल

36 लोक देवता जूण कुँवर – डॉ. पूरन सहगल

37 लागी सबद कटार (मालवी का दोहा) – (संपा.) डॉ. पूरन सहगल

38 रामानन्द परम्परा के उद्‌गायक संत पापजी – ललित शर्मा

39 मालवी साहित्य का इतिहास – डॉ. श्यामसुंदर निगम, (संपा.) डॉ. देवेन्द्र दीपक

40 निमाड़ी साहित्य का इतिहास – डॉ. श्रीराम परिहार(संपा.) डॉ. देवेन्द्र दीपक

41 मालवी कहावत कोश – डॉ. निर्मला राजपुरोहित

42 मालवा के इतिहास एवं संस्कृति के कतिपय पहलू – डॉ. श्यामसुंदर निगम

43 मालवी लोक गीतों की अन्तर्चेतना – डॉ. शशि निगम

44 अनादि उज्जयिनी (तीन खण्डं) – डॉ. रमेश निर्मल

45 चंदन चौक – (संपा.) डॉ. विद्यानिवास मिश्र

46 हिंदी की जनपदीय कविता – डॉ. विद्यानिवास मिश्र

47 वीणा, मालवी अंक (पूर्वार्द्ध और उत्तरार्द्ध) सित.–अक्टू. 1971

48 मालवा उपन्यासों में जन–जीवन – डॉ. प्रतिभा सक्सेना

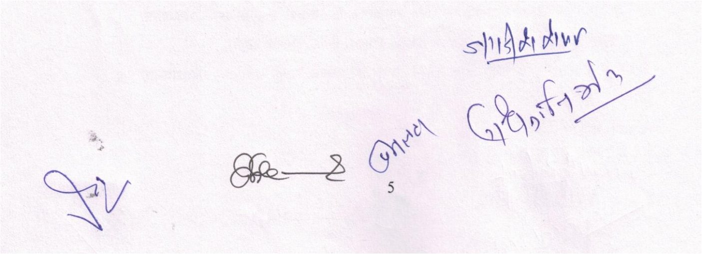

ECT- 04

(6) पत्रकारिता प्रशिक्षण

पूर्णांक – 60 अंक

कार्यक्रम अधिगम परिणाम (LOCF)-
पाठ्यक्रम के इस भाग का अधिगम निम्नवत् होगा–

1. विद्यार्थी पत्रकारिता प्रशिक्षण के विभिन्न माध्यमों से परिचित हो सकेंगे।
2. पत्रकारिता प्रशिक्षण के उपयोग क्षेत्र से परिचित हो सकेंगे।
3. पत्रकारिता प्रशिक्षण के व्यावसायिक उपयोग को समझ सकेंगे।
4. विद्यार्थी संस्कृतिक कर्म की दृष्टि पत्रकारिता प्रशिक्षण का उपयोग करना सीख सकेंगे।

इकाई–1 पत्रकारिता से सम्बन्धित लेखन–सम्पादकीय, फीचर, रिपोर्ताज, साक्षात्कार, खोजी समाचार, समाचार अनुवर्तन (फालोअप) आदि की प्रविधि।

इकाई'–2 इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की पत्रकारिता–रेडियो, टी.वी, वीडियो, केबल, मल्टी मीडिया और इंटरनेट की पत्रकारिता।

इकाई–3 प्रिंट पत्रकारिता और मुद्रणकला, प्रूफ शोधन, ले आउट तथा पृष्ठ–सज्जा।
पत्रकारिता का प्रबन्धन–प्रशासनिक व्यवस्था, बिक्री तथा वितरण–व्यवस्था।

इकाई–4 भारतीय संविधान में प्रदत्त मौलिक अधिकार, सूचनाधिकार एवं मानवाधिकार।
मुक्त प्रेस की अवधारणा।
लोक–सम्पर्क तथा विज्ञापन।

इकाई–5 प्रसार–भारती तथा सूचना प्रौद्योगिकी।
प्रेस संबंधी प्रमुख कानून तथा आचार संहिता।
प्रजातान्त्रिक व्यवस्था में चतुर्थ स्तम्भ के रूप में पत्रकारिता का दायित्व

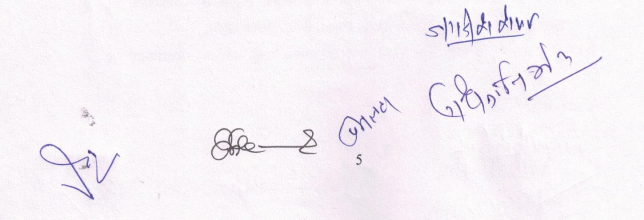

अंक–विभाजन
5 लघूत्तरीय प्रश्न 5 x 5 = 25 अंक
5 दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न 5 x 7 = 35 अंक
पूर्णांक = 60 अंक

निर्देश :–

लघूत्तरीय प्रश्नों की शब्द सीमा अधिकतम 100 शब्दों की तथा दीर्घ–उत्तरीय प्रश्नों की शब्द सीमा अधिकतम 800 शब्दों की होगी।

संदर्भ ग्रंथ

1 आधुनिक पत्रकार कला–रा.टा. खण्डेलकर ।

2 भारतीय पत्रकार कला–रेलिण्ड ब्रुसले।

3 पत्र और पत्रकार–पुरुषोतमदास टण्डन और कमलापति त्रिपाठी।

4 हिन्दी पत्रकारिता–डॉ.कृष्णबिहारी मिश्र।

5 समाचार–पत्रों का इतिहास–पं. अम्बिकाप्रसाद वाजपेयी।

6 पत्र सम्पादन कला–नन्दकुमार शर्मा।

7 भारतीय पत्रकार कला का इतिहास–श्रीमती बेनिस।

8 समाचार–पत्र कला–पं. अम्बिकाप्रसाद वाजपेयी।

9 सम्पादन कला – के.पी. नारायण।

10 हिन्दी समाचार–पत्रों का इतिहास – अनन्तबिहारी माथुर।

11 हिन्दी समाचार–पत्रों का संगठन एवं प्रबंध – डॉ. सुकुमार जैन

12 मुद्रण प्रवेश और कम्पोज कला–गोपीवल्लभ उपाध्याय।

13 मुद्रण परिचय–प्रफुल्लचंद्र ओझा, बिहार हिन्दी ग्रंथ अकादमी, पटना।

14 हिन्दी पत्रकारिता के विभिन्न आयाम – डॉ. वेदप्रताप वैदिक।

15 मध्यप्रदेश में हिन्दी पत्रकारिता का इतिहास–विजयदत्त श्रीधर

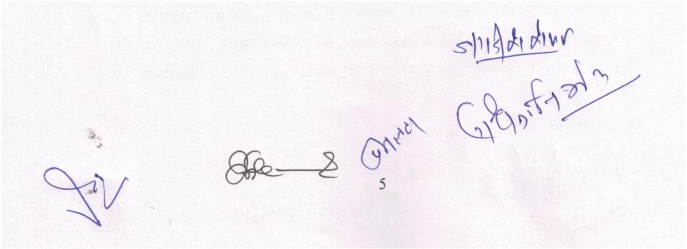

ECT- 04

(7) दृश्य–श्रव्य माध्यम लेखन

पूर्णांक – 60 अंक

कार्यक्रम अधिगम परिणाम (LOCF)-
पाठ्यक्रम के इस भाग का अधिगम निम्नवत् होगा–

- दृश्य–श्रव्य माध्यम लेखन के प्रति उनकी अभिरुचि विकसित होगी। मीडिया उद्योग में वे अच्छे लेखक बन सकेंगे।
- समाचार लेखन में अभिरुचि विकसित होगी । रोज़गार की दृष्टि से मीडिया के क्षेत्र में संभावनाएँ बढ़ेंगी।
- छात्र मीडिया के लिए महत्वपूर्ण व्यक्तियों के साक्षात्कार लेने में सक्षम हो सकेंगे।

इकाई–1 हिन्दी माध्यम लेखन का संक्षिप्त इतिहास।

इकाई–2 रेडियो नाटक के प्रमुख भेद–रेडियो धारावाहिक, रेडियो रूपांतर, रेडियो फैंटेसी, संगीत रूपक, आलेख रूपक (डाक्यूमेंट्री फीचर)।

इकाई–3 टेली–ड्रामा, टेली फिल्म, डाक्यूड्रामा तथा टी.वी. धारावाहिक में साम्य–वैषम्य।

संचार माध्यम के अन्य विविध रूप।

इकाई–4 इलेक्ट्रॉनिक मीडिया द्वारा प्रसारित समाचारों के संकलन–संपादन और प्रस्तुतीकरण की प्रविधि। संचार माध्यमों द्वारा प्रसारित विज्ञापनों की भाषा। विज्ञापन फिल्मों की प्रविधि।

इकाई–5 संचार माध्यमों की भाषा।

हिन्दी के समक्ष आधुनिक जनसंचार और सूचना प्रौद्योगिकी की चुनौतियाँ।

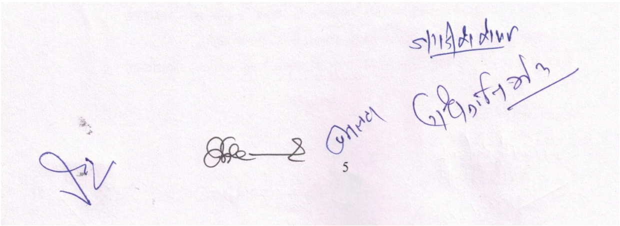

अंक–विभाजन
5 लघूत्तरीय प्रश्न 5 x 5 = 25 अंक
5 दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न 5 x 7 = 35 अंक
पूर्णांक = 60 अंक

निर्देश :–

लघूत्तरीय प्रश्नों की शब्द सीमा अधिकतम 100 शब्दों की तथा दीर्घ–उत्तरीय प्रश्नों की शब्द सीमा अधिकतम 800 शब्दों की होगी।

सन्दर्भ ग्रन्थ –

1 रेडियो लेखन–मधुकर गंगाधर।

2 पटकथा लेखन : एक परिचय – डॉ. मनोहरश्याम जोशी।

3 टेलीविजन लेखन – असगर वजाहत एवं प्रभात रंजन।

4 रेडियो नाटक की कला – डॉ. सिद्धनाथ कुमार।

5 रेडियो वार्ता शिल्प – डॉ. सिद्धनाथ कुमार।

6 जनसंचार : विविध आयाम – ब्रजमोहन गुप्त।

7 हिन्दी विज्ञापनों की भाषा – आशा पाण्डेय।

8 उत्तर आधुनिक मीडिया तकनीक – हर्षदेव।

9 प्रसार भारती प्रसारण नीति – सुधीश पचौरी।

10 आधुनिक विज्ञापन – डॉ. प्रेमचन्द्र पातंजलि।

11 दृश्य–श्रव्य माध्यम लेखन – डॉ. राजेन्द्र मिश्र।